संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-13 मंगलवार,14 नवम्बर 2023, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपये

दीपावली में फिर धुआं- धुआं हुआ दिल्ली

» कोलकाता में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में पहुंची,

» दिवाली की आतिशबाजी से जहरीला हुआ वातावरण

नई दिल्ली/कोलकाता,13 नवम्बर 2023(ए)। दीपावली पर दिल्ली-एनसीआर में आतिशबाजी और पटाखों ने प्रदूषण का लेवल फिर बढ़ा दिया है। चारों तरफ धुआं ही धुआं नजर आ रहा है। आलम ये है कि दिवाली की शाम तक यहां एक्यूआई 218 था, दिवाली के अगले दिन बढ़कर 999 हो गया है। उधर कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता 'खराब' रही और महानगर में धुंध छाई रही। दिल्ली में इंडिया गेट, आनंद विहार, जहांगीरपुरी, आर के पुरम, ओखला, श्रीनिवासपुरी, वजीरपुर, बवाना और रोहिणी में भी प्रदूषण से बुरा हाल है। आतिशबाजी से विजिबिलिटी भी बेहद कम हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की उड़ी धज्जियां

दिवाली के पहले ही प्रदूषण से बिगड़ते हालात को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों और अतिशबाजी की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर रोक लगाई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए दिल्ली-एनसीआर के लोगों ने जमकर आतिशबाजी की।

प्रदूषण का कई सालों का टूटा रिकॉर्ड

दिल्ली-एनसीआर में इस साल दिवाली के बाद प्रदूषण ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यहां आतिशबाजी के बाद, त्त्छ्व बढ़कर 999 हो गया है।
दीवाली के मौके पर इससे पहले 2016 में एक्यूआई 431 दर्ज किया गया था। उसके बाद 2020 में 414 साथ ही 2021 में 382 इससे पहले 2019 में 337, 2017 में 319 और 2018 में

281 दर्ज किया गया था।

कोलकाता में भी बढ़ गया प्रदूषण

काली पूजा और दिवाली के एक दिन बाद सोमवार सुबह कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता 'खराब' रही और महानगर में धुंध छाई रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।
अधिकारियों ने बताया कि वायु गुणवत्ता के खराब होने की एक मात्र वजह रविवार को हुई आतिशबाजी ही नहीं, बल्कि मौजूदा मौसम भी है। इस मौसम में कोहरे और धुएं की उपस्थिति के कारण छोटे कण हवा में बने रहते हैं।
पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि सोमवार सुबह 'विक्टोरिया मेमोरियल' में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 284 और कोलकाता के 'फोर्ट विलियम' में 262 दर्ज किया गया, जबकि पड़ोसी हावड़ा जिले के घुसुरी में यह 310 रहा।

क्या है एक्यूआई

बता दें कि प्रदूषण के पैमाने के मुताबिक वायु गुणवत्ता सूचकांक शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 450 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। एक्यूआई के 450 से ऊपर हो जाने पर इसे 'अति गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

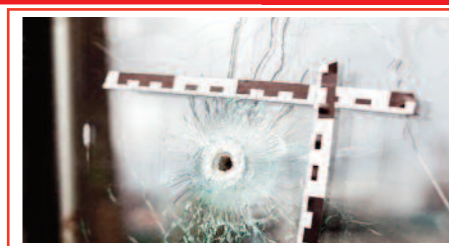

आईएएस अधिकारी के आवास पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा गोलीबारी

चंडीगढ़,13 नवम्बर 2023(ए)। अधिकारियों ने कहा कि दिवाली की रात यहां एक आईएएस अधिकारी के आवास की लकड़ी की खिड़की के फ्रेम में एक गोली लगी, लेकिन इससे कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी के स्रोत का अभी पता नहीं चल पाया है और वह इस घटना के पीछे जश्न में की गई गोलीबारी की संभावना की जांच कर रही है। गोली रविवार रात करीब 11.10 बजे मारी गयी. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के समय पंजाब कैडर के आईएएस अधिकारी अपने शयनकक्ष में थे, लेकिन वह सुरक्षित बच गये। नौकरशाह के सेक्टर 24 स्थित आवास की खिड़की के लकड़ी के फ्रेम पर गोली का असर हुआ। गोली किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चलाई गई थी। आईएएस अधिकारी ने यह भी कहा है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है. प्रारंभिक जांच के अनुसार, ऐसा नहीं लग रहा है कि जो गोली चलाई गई थी, वह उस दिशा में थी जिस दिशा में चलाई गई थी। इसलिए, हम जश्न में गोलीबारी के पहलू की भी जांच कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाटी में जवानों के साथ मनाया दिवाली

» लगातार 10 वीं बार जवानों के बीच थे प्रधानमंत्री

लेप्चा(हिमाचल प्रदेश),13 नवम्बर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 10 वीं बार दिवाली के मौके पर जवानों के बीच पहुंचे। बता दें कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही वह हर दिवाली के मौके पर जवानों बीच में होते हैं।
हर साल की तरह इस साल भी दिवाली मनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी हिमाचल प्रदेश के लेप्चा पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने मिलिट्री की जैकेट और टोपी लगा रखी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विट कर देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दी। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्विट कर दी हैं।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 10 वीं बार दिवाली बार के मौके पर जवानों के बीच पहुंचे हैं। बता दें कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही वह हर दिवाली के मौके पर जवानों बीच में होते

हैं। प्रधानमंत्री इस बार दिवाली मनाने के लिए हिमाचल के लेपचा पहुंचे हैं।

10 साल के दौरान यहां गए प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने साल 2014 में विश्व के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में, वर्ष 2015 में पंजाब के अमृतसर में, वर्ष 2016 में हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में सैनिकों संग दिवाली मनाई थी। वर्ष 2017 में जम्मू कश्मीर के गुरेज में, 2018 में उत्तराखंड के केदारनाथ और वर्ष 2019 में जम्मू संभाग के राजोरी में सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई थी।
प्रधानमंत्री ने वर्ष 2020 में दिवाली राजस्थान के जैसलमेर में, वर्ष 2021 में जम्मू संभाग के राजोरी जिला के नौशहरा में और वर्ष 2022 में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के करगिल में दिवाली मनाई थी।

आर्थिक अपराधियों को नहीं लगे हथकड़ी

» संसदीय समिति की सिफारिश- हत्या व दुष्कर्म के अपराधियों के साथ भी ना रखा जाए

» गृह मंत्रालय की समिति ने धारा 43(3) से आर्थिक अपराध शब्द हटाने को कहा

» आर्थिक आरोपितों को हत्या व दुष्कर्म जैसे घृणित मामलों के अपराधियों के साथ न रखें

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2023(ए)।
एक संसदीय समिति ने सिफारिश की है कि आर्थिक अपराध के मामले में हिरासत में लिए गए लोगों को हथकड़ी नहीं पहनाई जानी चाहिए। साथ ही उन्हें हत्या और दुष्कर्म जैसे घृणित मामलों के अपराधियों के साथ भी नहीं रखा जाना चाहिए।

किसको नहीं पहनाई जानी चाहिए हथकड़ी ?

भाजपा सांसद बृजलाल की अध्यक्षता में गृह मंत्रालय की एक स्थायी समिति ने सोमवार को बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस-2023) के प्रस्तावित विधेयक की धारा 43(3) में हथकड़ी के इस्तेमाल के लिए कहा गया है, जबकि हथकड़ी लगाने का प्रविधान घृणित अपराधों में पकड़े गए लोगों के लिए होता है ताकि वह पुलिस की गिरफ्त से भाग न जाएं। इस नियम के तहत गिरफ्तारी के समय पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रख के भी यह किया जाता है।

समिति ने धारा 43(3) से आर्थिक अपराध शब्द हटाने को कहा

समिति का विचार है कि आर्थिक अपराधियों को इस श्रेणी में शामिल नहीं करना चाहिए। समिति ने यह विरोध %आर्थिक अपराध की श्रेणी% में रख कर किया है। इसलिए समिति सिफारिश करती है कि धारा 43(3) से आर्थिक अपराधों शब्द को हटा दिया जाए।

स्थायी समिति ने अपनी सिफारिश में क्या कहा ?

स्थायी समिति ने अपनी सिफारिश में यह भी कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के मुद्दे पर आरोपितों को गिरफ्तारी के बाद पहले 15 दिन से अधिक समय तक हिरासत में नहीं रखा जाना चाहिए। बीएनएसएस की धारा 187(2) के तहत कुल 15 दिन की पुलिस हिरासत होनी चाहिए। 15 दिन की हिरासत एक साथ भी दी जा सकती है और अलग समय पर भी दी जा सकती है। इसी मौजूदा व्यवस्था में 60 या 90 दिनों तक का नहीं होना चाहिए।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता को लोकसभा में किया गया है पेश

उल्लेखनीय है कि विगत 11 अगस्त को लोकसभा में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस-2023) विधेयक को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए-2023) विधेयकों के साथ पेश गया था। उन प्रस्तावित कानूनों के जरिये सीपीसी, 1898, भारतीय दंड संहिता-1860 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 को बदला गया है।

जो बाइडेन की पोती की सुरक्षा में बड़ी चूक

सीक्रेट एजेंट्स ने चलाई गोलियां

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2023 (ए)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पोती नाओमी बाइडन से जुड़े एक गंभीर सुरक्षा उल्लंघन का मामला सामने आया है। तीन अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर नाओमी की एसयूवी की खिड़की को तोड़ने का प्रयास किया, जिसके बाद नाओमी की सुरक्षा में तैनात गुप्त सेवा एजेंटों को गोलियां चलानी पड़ीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति बिडेन की पोती नाओमी की सुरक्षा के लिए सीक्रेट सर्विस एजेंट तैनात किए गए हैं। नाओमी अपने गार्डों के साथ जॉर्जटाउन में थी। उनकी एसयूवी उस इलाके में खड़ी थी जहां कुछ लोगों ने उनकी एसयूवी की खिड़की तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।
नाओमी ने पिछले साल नवंबर में अपने बॉयफ्रेंड से शादी की थी। 29 वर्षीय नाओमी राष्ट्रपति बिडेन के बेटे हंटर बिडेन और कैथलीन की सबसे बड़ी बेटी हैं। नाओमी पेशे से वकील हैं. नाओमी का नाम जो बिडेन की बेटी के नाम पर रखा गया था, जिनकी एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। नाओमी वाशिंगटन में पली बढ़ीं। नाओमी अपने दादा जो बिडेन से बहुत प्यार करती है और प्यार से उन्हें ÷पॉप्स÷ कहकर बुलाती है। टाउन एंड कंट्री न्यूज के मुताबिक, 2020 के एक इंटरव्यू में नाओमी ने अपने दादा के बारे में कहा था कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह क्या करते हैं या कहां हैं।

पटरी से उतरा रेल इंजन

सिरोही,13 नवम्बर 2023(ए)। सिरोही जिले के स्वरूपगंज के पास डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन (डीएफसीसी) रेलवे लाइन पर सोमवार को एक रेलवे इंजन पटरी से उतर गया। हालांकि हादसे से कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन वटेरा का रास्ता काफी देर तक बंद रहा.
डीएफसीसी पिंडवाड़ा-सिरोही रेलवे लाइन पर स्वरूपगंज कस्बे के पास एक इंजन के पटरी से उतरने के बाद रेलवे अधिकारियों में दहशत का माहौल है।

इसके बाद अंडरग्राउंड ब्रिज नंबर के क्षेत्र में डीएफसीसी रेलवे यातायात भी अवरुद्ध कर दिया गया। 113. घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी बचाव दल के साथ मौके पर पहुंचे. हादसा वाटरेरा गुमटी ब्रिज नंबर के पास हुआ. 113 स्वरूपगंज-आबू रोड के बीच। पूरे मामले में रेल अधिकारी मीडिया से बात करने से बचते रहे। जानकारी के मुताबिक हादसा एक निजी उद्यम के यार्ड में हुआ. इस कारण रेलवे अधिकारी जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं।
परित्यक्त डीएफसीसी रेल लाइन अपने अंतिम छोर पर समाप्त होती है। शंटिंग कार्य के दौरान लोकोमोटिव को आगे बढ़ा दिया गया, जिससे लोकोमोटिव पटरी से उतर गया और जमीन में गिर गया। बचाव रेलरोड टीम डीएफसीसी रेल लाइन को साफ करने के लिए अधिकारियों के साथ काम कर रही है। इस घटना के कारण वटेरा का रास्ता भी बंद हो गया. दुर्घटना के परिणामस्वरूप कोई संपत्ति क्षति नहीं हुई।

15 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद

मुंबई,13 नवम्बर 2023(ए)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई (एनसीबी) ने मुंबई के एक होटल में छापा मारकर 150 करोड़ रुपये की 2 किलो कोकीन बरामद की। एक महिला समेत दो विदेशियों को भी गिरफ्तार किया गया। मुंबई के अलावा, एनसीबी की टीम गोवा, दिल्ली और बेंगलुरु में भी छापेमारी कर रही है क्योंकि जांच में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की मौजूदगी का पता चला है।
एनसीबी मुंबई टीम को जाम्बिया में जन्मे एलए गिलमोर के अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट में शामिल होने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इस जानकारी के आधार पर, एनसीबी टीम के दिमाग में एलए गिलमोर था।

गिलमोर ने अवैध दवाओं की एक खेप लेने के लिए लुसाका, जाम्बिया से अदीस अबाबा, इथियोपिया तक यात्रा की। इसके बाद वह मुंबई पहुंचे और एक होटल में रुके। उसी होटल में एनसीबी की टीम को एक बैग में छिपाकर रखी गई 2 किलो कोकीन मिली. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 15 अरब रुपये आंकी गई है.
मुंबई में एनसीबी टीम द्वारा पूछताछ के दौरान, गिलमोर ने कहा कि उसने दिल्ली में एमआर ऑगस्टीनो नाम की एक तंजानियाई महिला को कोकीन की आपूर्ति करने की योजना बनाई थी। इस मामले में भी पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है. दोनों व्यक्तियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एनसीबी की टीम आज सुबह से मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और गोवा में जांच कर रही है। हालाँकि, एनसीबी की जाँच का विवरण आज तक उपलब्ध नहीं है।

गर्लफ्रेंड से छुप-छुप कर मिलता था प्रेमी, मगर जब पकाया तो...

जयपुर,,13 नवम्बर 2023 (ए)। ये प्यार नहीं आसान, बस इतना समझ लो, ये एक आग का दरिया है, तैर कर पार जाना होगा, ये कहावत उस शख्स के लिए बिल्कुल सही बैठती है, जो छुप-छुप कर अपनी गर्लफ्रेंड से मिलता है और वहीं फंस जाता है। अब याद रखें कि जब कोई आदमी अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए निकलता है और उसके परिवार वाले उसे पकड़ लेते हैं, तो उसके लिए इससे बुरा कुछ नहीं होता।
हालाँकि एक लड़के और लड़की के बीच गुप्त मुलाकात बहुत रोमांटिक और मजेदार लगती है, लेकिन यह बहुत जोखिम भरी भी होती है। अक्सर लड़की के घरवाले लड़के को पीट-पीटकर उसे दोषी महसूस कराते हैं। छिपकर मिलने पर ज़्यादातर जोड़े पकड़े नहीं जाते, लेकिन अगर पकड़े जाते हैं, तो उन्हें गरीबों की दुर्दशा के बारे में किसी को नहीं बताना चाहिए। आज हम आपको ऐसे ही कई किस्से बताएंगे।
दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने जा रहा था और लड़की के परिवार वालों ने उसे पकड़ लिया, लेकिन उनसे बचने के लिए उस शख्स ने जो किया उसे देखकर आपकी हंसी छूट जाएगी।

तुम भी आ सकते हैं। वायरल हो रहे एक वीडियो में दो महिलाएं बहस करती नजर आ रही हैं. इसी बीच वहां मौजूद एक अन्य शख्स फ्रिज निकालने लगता है. वीडियो देखने के बाद आप समझ जाएंगे कि फ्रिज में एक शख्स बैठा है. महिलाएं जोर-जोर से चिल्लाने लगती हैं तभी अचानक एक आदमी रेफ्रिजरेटर से बाहर आता है और उनके बगल में खड़ा हो जाता है। वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन से घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया. वीडियो देखने के बाद लोगों का कहना है कि ये एक मां अपनी बेटी को डांट रही है. एक अन्य महिला अपना बचाव करती है. उनके बीच तीखी बहस होती है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि रेफ्रिजरेटर से बाहर आया आदमी चुपचाप खड़ा रहता है।
सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये वीडियो राजस्थान का बताया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, यह प्रेमी आधी रात को अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए उसके घर पहुंच गया, लेकिन एक सूचना पर वह डर के मारे फ्रिज में जाकर छुप गया. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोग हैरान हैं कि इतना लंबा शख्स रेफ्रिजरेटर में कैसे फिट हो सकता है? कई लोग इस पर कमेंट करते हुए लिखते हैं कि ये शख्स अब किस हाल में होगा? मुझे इस बात की चिंता है. सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो को कई लोगों ने देखा भी. किसी ने लिखा कि प्यार और जंग में सब जायज है।

7 गांव में बिना पटाखों के मनाते हैं दिवाली

इरोड ,13 नवम्बर 2023(ए)। रविवार को देशभर में दिवाली का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। दिवाली के मौके पर जहां पूरे देश में पटाखों की गूंज सुनाई दीं तो वहीं तमिलनाडु के इरोड जिले के सात गांवों में इस त्योहार को सिर्फ रोशनी के साथ मनाया गया। नजदीकी पक्षी अभयारण्य में पक्षियों के संरक्षण के मद्देनजर पटाखे नहीं फोड़े गए।

शांत दीपावली परंपरा को बरकरार रखा

ये गांव इरोड से 10 किलोमीटर दूर वदामुगम वेल्लोड के आसपास स्थित हैं, जहां पक्षी अभयारण्य है। इस वर्ष भी, सेलप्पमपलयम, वदामुगम वेल्लोड, सेम्मांडमपालयम, करुक्कनकट्टू वलासु, पुंगमपाडी और दो अन्य गांवों ने 'शांत' दीपावली की सम्मानजनक परंपरा को बरकरार रखा। वे पिछले 22 वर्षों से दिवाली पर पटाखे नहीं फोड़कर इस संरक्षण दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं।

पक्षियों की हजारों स्थानीय प्रजातियां और अन्य क्षेत्रों से प्रवासी पक्षी अक्टूबर और जनवरी के बीच अंडे देने और उन्हें सेने के लिए अभयारण्य में आते हैं।

900 से अधिक परिवारों ने बिना पटाखों के मनाई दिवाली

चूंकि, दिवाली आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर के महीने में आती है, इसलिए पक्षी अभयारण्य के आसपास रहने वाले 900 से अधिक परिवारों ने पक्षियों के सरंक्षण के मद्देनजर पटाखे नहीं फोड़ने का फैसला किया क्योंकि तेज आवाज और प्रदूषण के कारण पक्षियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने कहा कि दीपावली के दौरान, वे अपने बच्चों के लिए नए कपड़े खरीदते हैं और उन्हें केवल फुलझड़ियां जलाने की अनुमति देते हैं, पटाखे फोड़ने की नहीं ताकि पक्षियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

संपादकीय

आरोप लगा, तो जांच हो

एपल की सूचना के मामले में भारत सरकार ने अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था। लेकिन ऐसे खंडनों से आरोपों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसलिए इस मामले की पूरी, निष्पक्ष जांच कराना अनिवार्य हो गया है, ताकि संदेह का साया छंट सके। भारत में विपक्षी राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, और पत्रकारों की जासूसी करने के आरोप लगने का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब इल्जाम लगा है कि खोजी पत्रकारिता करने वाले एक समूह के सदस्य के आईफोन में सरकार समर्थित हैकरों ने स्पाइवेयर डालने की कोशिश की। आनंद मांगनाले उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने एपल कंपनी की ओर से हैकिंग की सूचना मिली थी। हालांकि ऐसी सूचना अनेक लोगो को प्राप्त हुई थी, लेकिन मांगनाले का मामला कुछ अलग है। वे इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चले गए हैं। मंगनाले खोजी पत्रकारों के समूह ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रॉजेक्ट (ओसीसीआरपी) के लिए काम करते हैं। समूह के सह संस्थापक ड्रू सलिवन ने अमेरिका में एक समाचार एजेंसी को बताया कि मांगनाले के फोन के विश्लेषण से पता चला कि 23 अगस्त 2023 को उनके फोन में घुसपैठ की कोशिश की गई थी। इस कोशिश का संबंध इजराइली कंपनी एनएसओ के हैकिंग टूल पेगासस से पाया गया। बताया जाता है कि पेगासस का इस्तेमाल कर हैकर किसी के स्मार्टफोन पर पूरा नियंत्रण हासिल कर सकते हैं।
इसके बाद वे कॉल रिकॉर्ड कर सकते हैं, संदेश पढ़ सकते हैं, और फोन को जासूसी के पोर्टेबल उपकरण में तब्दील कर सकते हैं। ओसीसीआरपी खोजी पत्रकारों का एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। मांगनाले कॉरपोरेट फ्रॉड और सरकार के भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग करते हैं। गौरतलब है कि मांगनाले और उनके सहकर्मी रवि नायर भारत में एक और मामले में फंसे हुए हैं। अगस्त 2023 में अडानी समूह पर लिखी गई उनकी रिपोर्ट ओसीसीआरपी की वेबसाइट पर छपी थी। इसके बाद अहमदाबाद पुलिस ने दोनों पत्रकारों के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी। दोनों ने पुलिस के नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तीन नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी थी। उसके बाद ओसीसीआरपी का ताजा आरोप सामने आया है। एपल की सूचना के मामले में भारत सरकार ने अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था। लेकिन ऐसे खंडनों से आरोपों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसलिए इस मामले की पूरी, निष्पक्ष जांच कराना अनिवार्य हो गया है, ताकि संदेह का साया छंट सके।

गायों की पूजा का पर्व है गोवर्धन

गोवर्धन पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्यौहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। कबीर दास जी कहते है-
कबीर गोवर्धन कृष्ण जी उठाया, द्रोणागिरि हनुमंत। शेष नाग सब सृष्टी उठाई, इनमें को भगवंत।।
इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है।
गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गौ सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की। दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है।
इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमाएं लगाई जाती हैं। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं।
अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है। गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है। इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते हैं। घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है।
महाराष्ट्र में यह दिन बालि प्रतिपदा या बालि पड़वा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामन की राजा बलि पर विजय और बाद में राजा बलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है। अधिकतर गोवर्धन पूजा का दिन गुजराती नव वर्ष के दिन के साथ मिल जाता है जो कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के दौरान मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा उत्सव गुजराती नव वर्ष के एक दिन पहले मनाया जा सकता है और यह प्रतिपदा तिथि के प्रारम्भ होने के समय पर निर्भर करता है।
वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इसी दिन बलि पूजा, गोवर्धन पूजा होती हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण ने एक लीला रची। एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने यशोदा मैया से प्रश्न किया कि आप लोग किन की पूजा की तैयारी कर रहे हैं। कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा मैया बोली हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? यशोदा ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये तो वहीं चरती हैं। इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए।श्री कृष्ण के कहने पर सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। तब श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें। इन्द्र लगातार सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हे एहसास हुआ कि उनका मुकाबला करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता। अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यंत लज्जित हुए और श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका। इसलिए अहंकारवश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने श्री कृष्ण की पूजा कर उन्हें भोग लगाया। सातवें दिन श्रीकृष्ण ने गोवर्धन को नीचे रखा और ब्रजवासियों से कहा अब तुम प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट का पर्व मनाया करो। तभी से यह पर्व अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा। इस पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्धन पूजा की जाने लगी। इस दिन देश के बहुत से प्रदेशों में लोग गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है। उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

जन्मदिन शुभाशीष (रिद्धि -सिद्धि)

मेरे नयनों के सजीले दो सपना हो
एक सुमन तो दूजा बेटी सपना हो
जीवन में जिसने उजियार है किया
जीवन को खुशियों से संवार दिया
जब से आई धरा पर लक्ष्मी का रूप
घर में रौनक छाई क्या छांव क्या धूप
सुखद अहसास से सपने संवार दिया
जीवन को खुशियों से संवार दिया
दोनों ने सजाया है यह घर संसार
अब अपने सपनों को करो साकार
रिद्धि सिद्धि नाम तुम्हे दादी ने दिया
जीवन को खुशियों से संवार दिया
यथा नाम रिद्धि-सिद्धि लेकर आई हो
आने से आपके चहुँओर खुशी छाई हो
तकदीर बनाकर रब ने तुम्हें भेज दिया
जीवन को खुशियों से संवार दिया
हर बरस लगेंगे खुशियों का मेला
सहना ना पड़े तुम्हे कोई झमेला
जन्मदिन पर ये शुभकामना दिया
जीवन को खुशियों से संवार दिया

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़.

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

भोले राम से मिलने आए

मेरे मन-मंदिर में बसते,
राम, कृष्ण और भोले,
जैसे घटिया के दो पाटे,
साथ-साथ में डोले।
मेरे मन-मंदिर में....
बजी बांसुरी शंख साथ में,
डमरू भी कुछ बोले,
शेष नाग पर टिकी धरा है,
पल-पल ले हिचकोले।
मेरे मन-मंदिर में....
दीप की बतिया जब जलती,
सुध भोले की आती,
राम कृष्ण भी संग चलें तो,
भोले-भोले गाती।
मेरे मन-मंदिर में ....
दीप दिया जलता है जब-जब,
तम सारा छुप जाता,
भोले की धड़कन-सा धड़के,
जीवन मधुर बनाता।
मेरे मन-मंदिर में ....
दीपमालिका का अवसर है,
भोले राम से मिलने आए,
अपनी-अपनी कहते दोनों,
हंसते-हंसते फिर बतियाए।
मेरे मन-मंदिर में ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर इन्दौर
मध्यप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

आओ मतदान करें

वोट है हमारा अनमोल,
इसका नहीं लेंगे कोई मोल,
अपने वोट से मजबूत
भारत का निर्माण करें,
राष्ट्रहित में सहयोग करें,
आओ मतदान करें।
बूढ़े हो या जवान,
या हो मजदूर किसान,
अपने मत का सही उपयोग करें,
राष्ट्रहित में सहयोग करें,आओ
मतदान करें।
लालच में कभी न आना,
सोच समझकर बटन दबाना,
लोकतंत्र का हम सब सम्मान करें,
राष्ट्रहित में सहयोग करें,आओ
मतदान करें।
कोई न छूटे इस बार,
यह है सबका अधिकार,
सौ फीसदी मतदान के
लक्ष्य को पूरा करें,
राष्ट्रहित में सहयोग करें,
आओ मतदान करें।
एक एक वोट की ताकत को समझे
,अपने वोट को व्यर्थ जाने न दे,
इस अपील को सहर्ष स्वीकार करें,
राष्ट्रहित में सहयोग करें,आओ
मतदान करें।

श्याम सुंदर साहू
राजिम
गरियाबंद (छत्तीसगढ़.)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बाल कहानी

बाल-दिवस

अशोक पटेल आशु
मेघा-धमतरी
छत्तीसगढ़.

बाल दिवस की पूर्व संध्या पर प्रधानपाठक ने ये सूचना प्रेषित किया कि सारे बच्चे सभा हाल में उपस्थित हो जाएं। अचानक घण्टी बजती है और कुछ ही पल में सभी बच्चे सभा हाल में इकट्ठा हो जाते हैं।
सभा हाल में खूब शोरगुल होती है, तभी अचानक अपने स्टॉफ के साथ प्रधानपाठक का पदार्पण होता है। प्रधानपाठक को देखकर बच्चों को मानो पाला मार जाता हैं, सभी शांत हो जाते हैं।और बच्चे सावधान की मुद्रा में खड़े होकर अपने प्रधानपाठक को शिष्टाचार करते हैं।
तभी प्रधानपाठक ने अपने हाथों में इशारा करते हुए बैठने का निर्देश देते हैं।सभी यथास्थान में बैठ जाते हैं।
जैसे ही वातावरण में नीरवता आती है तभी प्रधानपाठ जी खड़े होते हैं और कुछ जरूरी सूचना प्रसारित करते हैं
ओ कहने लगे-
दिनाक 14 नवम्बर को बाल-दिवस के शुभ अवसर पर स्कूल में बाल-दिवस का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जाएगा,जिसमे चाचा नेहरू जी के जीवन चरित्र,और प्रेरक प्रसंगों को मंचन किया जाएगा।
यदि कोई बालक-बालिका इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं,ओ अपना नाम लिखा सकते हैं।
तभी अचानक जोरों की कोलाहल शुरू हो जाती है।बच्चे उत्साहित हो जाते हैं।और चिल्लाने लगते हैं-
सर जी मेरा नाम
सर मेरा नाम
कोई कहता है-
मैं भी नाटक में भाग लेना चाहता हूँ। सर मेरा नाम लिख दीजिए।
सोनू...मोनू....रानू....सानू...!इस तरह से बच्चों ने नाम गिनाना शुरू कर दिया।
तभी प्रधानपाठक ने टेबल पर थपौडी पीटते हुए शांति बनाए रखने का हिदायत देते हैं।फिर सभा हाल में शांति छा जाती है।
ठीक ऐसे समय पर प्रधानपाठक की नजर सबसे पीछे बैठे मोहन पर पड़ती है।मोहन चुपचाप सिर झुकाए बैठा हुआ है,किसी से बात नही कर रहा है,और नही वह बाल- दिवस के कार्यक्रम से उत्साहित है।जबकि वह बालक बहुत होनहार था,इस तरह के कार्यक्रम में चढ़-बढ़ कर हिस्सा लेता था।पर इस बार वह बहुत उदास है।
उसकी इस उदासीनता को समझते हुए मास्टर जी ने पूछा-
क्यो ?क्या हुआ मोहन???
तुम इतने उदास क्यो बैठे हो??
और तुम बाल-दिवस के

कार्यक्रम में भाग क्यो नही ले रहे??
तभी वह मोहन अपने आप को सम्हाले हुए कहता है-
मास्टर जी हम नेहरू जी के जन्म दिवस को बाल-दिवस के रूप में मनाते हैं,पर उस नेहरू जी से एकाकार नही हो पाते,हम उनसे मिल नही पाते।कितना अच्छा होता यदि हम उनसे मिल पाते।
मास्टर जी को मानो झटका लग गया। मास्टर जी गहरी सोंच में पड गये।
तभी मोहन कहता है-
मास्टर जी क्या हम नेहरू चाचा से मिल सकते हैं?
तब मास्टर जी कहते हैं-
हाँ....हाँ..!!!
क्यो नही!!
मोहन खुश होकर उछल जाता है।
और कहता है-
क्या सच कह रहे हो मास्टर जी!!
हाँ सच कह रहा हूँ
मास्टर जी ने कहा।
और फिर मास्टर जी अपने स्टॉफ में गए और वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बाल- दिवस के दिन अपने सहयोगी मास्टर जी को गुब्बारे वाला,फल वाला बनने के लिए कहा।और स्वयं चाचा नेहरू बनने की बात स्वीकारी। सभी ने हामी भर दी।
उसके बाद वह बाल दिवस का शुभ दिन भी आया,सभाहाल खचाखच भरा हुआ है।
मोहन सहित सभी बच्चों को चाचा नेहरू के आगमन की प्रतीक्षा थी उनसे मिलना चाहते हैं,और मिल के बाल-दिवस में अपना- अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करना चाहते हैं।
तभी ठीक इसी समय मंच के एक कोने से किसी की आवाज आती है-
गुब्बारे ले लो गुब्बारे!!!
इसी प्रकार-
फल ले लो फल !!सेव,केला,अंगूर,!!
और फिर ऐसे ही समय मे मंच के किसी कोने से चाचा नेहरू का आगमन होता है जो अचकन टोपी लाल गुलाब धारण किये हुए हैं, जो बिल्कुल हूबहू नेहरू जी लग रहें है।
सभी बच्चे चाचा जी!!चाचा जी!!जोर जोर से चिल्लना शुरू कर दिया।
तभी वह नेहरू जी कहते हैं-
लो बच्चों मैं चाचा नेहरू आ गया हूँ!!
मोहन मेरे पास आ जाओ,तुम मुझसे मिलना चाहते थे न!!
मोहन और सभी बच्चे अचरज में पड़ जाते हैं, और चाचा नेहरू से बिना देरी किये मिलने दौड़ पड़ते हैं।नेहरू जी सभी बच्चों को हिरदय से लगा लेते हैं, और पास से गुजर रहे गुब्बारे वाले से गुब्बारा,और फल वाले से फल बांटकर बच्चों को प्रसन्न कर देते हैं।
तभी जिज्ञासावश मोहन पूछता है क्या आप सचमुच् में चाचा नेहरू हो??
तब मास्टर जी ने सारा माजरा कह सुनाया
भले ही उनका शरीर नही है लेकिन उनके आदर्श उनके सिद्धान्त,उनका बच्चों के प्रति प्यार आज भी हमारे दिलों दिमाग पर जिंदा है।मैं नेहरू के रूप तुमारे मास्टर जी हुँ।
तुम उस दिन बहुत उदास थे तुम्हारी उदासी को दूर करने और बाल-दिवस को यादगार बनाने के लिए हमने नेहरू जी का वेश धारण किया, सहयोगी मास्टर साथी,फल वाला और गुब्बारे वाला बना,और हम सभी मंच में धीरे-धीरे आगमन किए, जिसको देखकर तुम सभी बच्चे परसन्न हो गए।
इतना सुनकर मोहन और अन्य सभी बच्चे अपने प्रधानपाठक को चाचा नेहरू और अन्य मास्टर जी को फल गुब्बारे वाला है जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं,और फुले नही समाते है।आज उनकी उदासी और भ्रम दूर हो गई।आज उन लोगों ने नेहरू चाचा का साक्षात दर्शन जो कर लिया था।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

विनम्रता,सज्जनता को कमजोरी ना समझिए, वीरों और शक्तिशाली लोगों का सद्गुण हैं

भारत की संस्कृति एतिहासिक काल से विनम्रता,सदाशयता और

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़

सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए।
समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति

अधजल गगरी छलकत जाए की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम

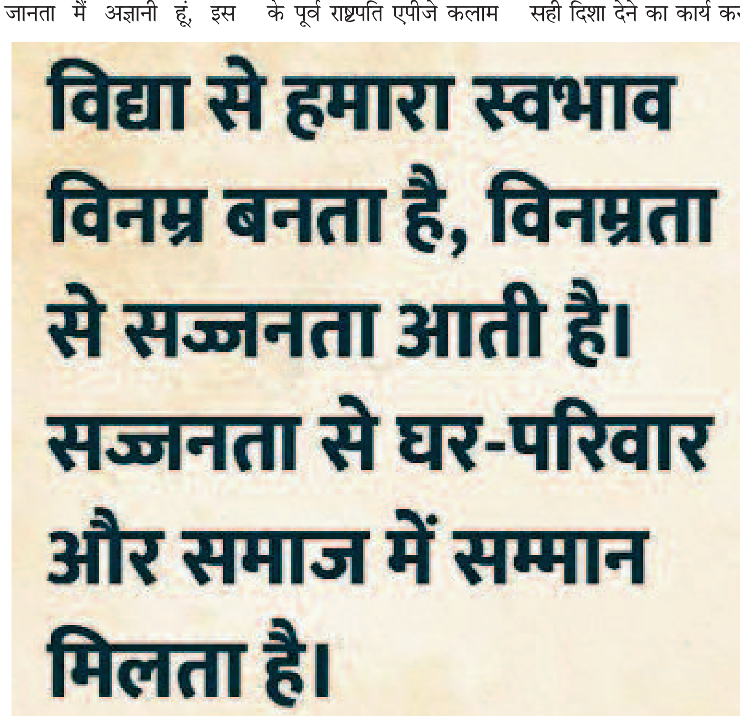

राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष,ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है, उसी तरह विनम्रता की शक्ति इतनी व्यापक होती है के पर्वत के समान कठोर बाधा भी दूर किसके सामने हो जाती है हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विनम्रता के साथ ब्रिटिश बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया था। विनम्रता और सहिष्णुता ही है जिसने हमारी भारतीय संस्कृति को हजारों वर्षों से शास्वत बना के रखा है।
किसी व्यक्ति समाज और किसी राष्ट्र के लिए विनम्रता सहिष्णुता और विचार शीलता ऐसे महान गुण उसे विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही
बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर,
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर
यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फ़ल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

धूमधाम से मनाई गई दिवाली,लोगों ने सजाया घर-आंगन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।
अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व दीपावली अंबिकापुर सहित पूरे सरगुजा संभाग में धूमधाम से मनाई गई। त्योहार को लेकर लोगों में खास त्साह रहा। दिवाली के अवसर पर लोगों ने अपने घरों व प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी लाइटों और दीयों से सजाया था। दिवाली के दिन लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। आदिशबाजी शाम से ही शुरू हो गई थी, जो देर रात तक चलती रही। पटाखा व्यवसायियों के अनुसार लाखों रुपए के पटाखा के कारोबार होने का अनुमान है।

पूरी राह होती रही आतिशबाजी

दिवाली खुशियों का त्योहार है। लोगों के बीच दिवाली का इंतजार रहता है। लोग आतिशबाजी कर जश्न मनाते हैं पटाखा व्यवसायियों का मनना है कि लाखों रुपए के पटाखे फोड़े जाने का अनुमान है। वहीं पिछले वर्षों की तुलना में पटाखा का रेट ज्यादा था। इसके बावजूद भी लोगों ने जमकर आदिशबाजी की। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखा फोड़े जाने का निर्देश था। पर लोगों ने इस आदेश के विपरित पूरी रात आतिशबाजी की।

रविवार को दिवाली शांति व सौहार्दपूर्ण मनाया गया। दिवाली पर लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां और अन्य तोहफे देकर शुभकामनाएं दी। बाजारों में भी पूरे दिन रोनक छाई रही। सुबह से शाम तक लोगों ने बाजारों में फूल, मालाएं, दीये सहित अन्य सामग्री की खरीदारी की। फिर शुभ मुहूर्त में घरों, मंदिरों और प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की गई। लोगों ने पंचमेवा और फल, मोतीचूर के लड्डू अर्पित कर भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा कर उनसे सुख-शांति और संपन्नता का आशीर्वाद मांगा। पूजन के उपरांत लाई, लावा, बताशा, मिठइयों का प्रसाद बांटा गया। इसके आतिशबाजी व एक-दूसरे को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। सूर्यास्त के बाद दीप व आकर्षक झालरों से पूरा घर आंगन जगमगा हो गया। रविवार को दिन चढ़ते ही शहर के बाजार लोगों के लिए सजकर तैयार थे। लोगों ने सुबह से ही खरीदारी शुरू कर दी। सजावट के सामान खरीदने के लिए लोगों का विशेष रुझान दिखा। पूजा में फूलों और केले के पौधों का विशेष महत्व है। इसलिए दीपावली के दिन फूलों और केले के पौधों का बाजार गर्म रहा।

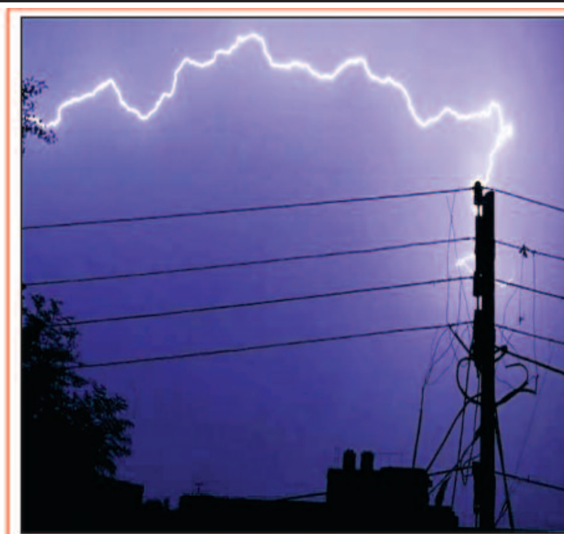

हाइटेंशन तार के संपर्क में आए मजदूर की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।
लटोरी बैगापारा में 11 नवंबर की शाम को एक मजदूर हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार विजय कुमार पिता कुशल राम बरगाह उम्र 35 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तुलशी का रहने वाला था। वह मजदूरी कर जीवन यापन करता था। 11 नवंबर को मजदूरी करने लटोरी बैगापारा गया था। यहां राजू गिरी के मकान का बाउंड्रीवाल का काम चल रहा था। इसके घर से हाइटेंशन तार गुजरा हुआ था। मजदूरी करने के दौरान शाम को विजय हाइटेंशन तार के संपर्क में आा गया। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सडक़ दुर्घटना में घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के दुलदुला निवासी एक युवक 10 नवंबर को सडक़ दुर्घटना में घायल हो गया था। इसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जगदीश राम उम्र 22 वर्ष जशपुर जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह 10 नवंबर को बाजार किनकेला गया था। वापस आने के दौरान किनकेला में बाइक अनियंत्रित हो गई और पेड़ से जा टकराई। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए सिमडेगा अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए रांची रेफर कर दिया। परिजन उसे रांची अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से भी उसे रेफर किया जाने के बाद परिजन ने जशपुर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां भी स्थिति में सुधार न होने पर परिजन चिकित्सकों ने अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दीपावली की रात भीषण आग से एसएलआरएम सेंटर जलकर खाक

-संवाददाता-
अंबिकापुर 13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।
अंबिकापुर. दीपावली की देर रात शहर के मणिपुर थाना से सटे स्वच्छता चेतना पार्क स्थित एसएलआरएम सेंटर में भीषण आग लग गई। हादसे में एसएलआरएम सेंटर जलकर पूरी तरह खाक हो गया। सूचना मिलते ही प्रशासन-पुलिस व दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरु किया। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने में करीब 30 दमकल पानी लगा। इधर एसएलआरएम सेंटर की आग मणिपुर थाने के पिछले हिस्से तक पहुंच गई थी, ऐसे में एसपी के निर्देश पर थाने से सभी जरूरी दस्तावेज बाहर निकाल लिए गए। आतिशबाजी की चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। दीपावली की रात शहर में जमकर पटाखे फूटे। इसी बीच रात करीब 1 बजे अंबिकापुर-बिलासपुर एनएच पर मणिपुर थाने से लगे स्वच्छता चेतना पार्क के एसएलआरएम सेंटर में आग लग गई। सेंटर में प्लास्टिक के सामान अधिक होने के कारण आग ने रौद्र रूप ले लिया। इससे प्लास्टिक के दाने बनाने के लिए लगाई गई मशीनें समेत पूरा सेट जलकर खाक हो गया। रात में गश्त पर निकले एसपी सुनील शर्मा को आग लगने की सूचना मिली तो उन्होंने कलेक्टर व दमकल टीम को सूचना दी। खबर मिलते ही निगम आयुक्त व एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। इसके अलावा दमकल व निगम की गाडिय़ां मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरु किया। आग बुझाने में दमकल, निगम व पुलिस की टीम को करीब 5 घंटे लग गए। 30 दमकल पानी लगने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से करीब 40 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

मणिपुर थाने के ठीक पीछे एसएलआरएम सेंटर स्थित है। ऐसे में आग की लपटें थाने की पिछली दीवार तक पहुंच गई थीं। इसे देखते हुए एसपी के निर्देश पर एहतियातन थाने से क्राइम सहित अन्य फाइलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं एसएलआरएम सेंटर से लगी बस्ती के लोगों को भी जगाकर सुरक्षित किया गया। भीषण आग को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। शहर के कोतवाली, गांधीनगर व मणिपुर थाने के अलावा पुलिस लाइन से भी 100 से अधिक जवानों को बुलाया गया था। सबके प्रयास से भीषण आग पर काबू पा लिया गया। दिवाली की रात पटाखे की चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

बाइक की टक्कर से घायल वृद्ध की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।
बाइक की टक्कर से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार विफल दास मानिकपुरी उम्र 60 वर्ष राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिदमा का रहने वाला था। वह 11 नवंबर को गांव में ही किराना दुकान गया था। वापस आने के दौरान बाइक ने उसे टक्कर मार दी थी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

केन्द्रीय जेल के बीमार बंदी की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।
बीमार बंदी की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार मजुबुद्दीन मियां उम्र 69 वर्ष बलरामपुर जिले के चांदों थाना क्षेत्र के ग्राम इदरीकला का रहने वाला था। वर्ष 2017 में हत्या के मामले में बलरामपुर न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उसे केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में रखा गया था। 11 नवंबर को उसकी तबियत विगड़ गई। जेल प्रबंधन द्वारा उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

संभाग के सभी 14 सीट फिर से जीतेंगे,इस बार जीत का अंतर पहले से ज्यादा:शकील अहमद

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।

कांग्रेस की सरकार बनने के साथ ही प्रत्येक बालिग महिलाओ के खाते में 1250 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इस पर 9 हजार करोड़ का खर्च आएगा। मुस्लिम युवा मंच आरएसएस का जेबी संगठन है। इसके मुखिया इंद्रेश हैं जिनका नाम कई आतंकी गतिविधियों में शामिल है।

उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री शकील अहमद में कही। वे कांग्रेस कार्यलय में पत्रकारों से बात कर रहे थे।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार जो वादा जनता से की थी उसे पूरा कर जनता का भरोसा जीता है। इस बार भी हमने किसानों का कर्जा माफ करने, 32 सौ रुपये में धान खरीदने, केजी से पीजी तक शिक्षा मुफ्त करने का वायदा किया जिसे हर हाल में पूरा करेंगे।महिलाओ के खाते में हर साल 15 हजार देने का वायदा करने में देरी इसलिए हुआ कि राहुल गांधी ने कहा था जो पूरा न हो ऐसे वायदे न करिए। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम की अध्यक्षता में एक समिति ने अध्ययन कर बताया इस पर करीब 9 हजार करोड़ का वित्तीय भार आएगा। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था इस भार को वहन करने योग्य है।जहां तक तक मुस्लिम युवा मंच के विरोध करने की बात है मैने भी वह पर्चा देखा है।उसमें कोई पंजीयन नंबर नहीं है ना ही किसी पदाधिकारी का नाम है। मुस्लिम युवा मंच आरएसएस का एक ब्रांच है जिसका काम समाज में नफरत फैलाना है। मुसलमान इनके बहकावे में नहीं आएगा।टीएस सिंहदेव कांग्रेस के बड़े नेता है।पार्टी उनकी क्षमता का इस्तेमाल सही जगह करेगी।उन्होंने कहा हम संभाग की सभी 14 सीट फिर से जीतेंगे,इस बार जीत का अंतर पहले से ज्यादा होगा।कांग्रेस में कहीं बगावत जैसी बात नही है। किसी को क्षणिक नाराजगी हो सकती है लेकिन चुनाव मैदान में हम सब भूल कर कांग्रेस के झंडे के नीचे खड़े हैं।पत्रकार वार्ता में हिमाचल प्रदेश की पूर्व शिक्षामंत्री आशा कुमारी,प्रदेश कांग्रेस महामंत्री डॉ जेपी श्रीवास्तव,मो इस्लाम जिला महामंत्री सैय्यद अख्तर हुसैन,प्रवक्ता आशीष वर्मा, अनूप मेहता, अशफाक अली, हेमंती प्रजापति, मधु दीक्षित, दिनेश शर्मा उपस्थित थे।

मैं कांग्रेस का निष्ठवान सिपाही हूं : शफ़ी

भटगांव से टिकट के सबसे प्रबल दावेदार शफ़ी अहमद को टिकट न मिलने नाराजगी वाले सवाल का जवाब श्रम कल्याण मण्डल के अध्यक्ष शफ़ी अहमद ने खुद दिया। अफवाहों और अटकलों को विराम देते हुए उन्होंने कहा टीएस बाबा के साथ मेरी जो बॉन्डिंग है उसे एक क्या दस विधान सभा टिकट भी नहीं तोड़ सकती। कांग्रेस पार्टी ने मुझे दो बार नगरनिगम में नेताप्रतिपक्ष रक बार सभापति बनाया।सरकार में श्रम कल्याण मण्डल का अध्यक्ष बनाकर केबिनेट मंत्री का दर्जा दिया स्टार प्रचारकों की सूची में रखा ।पार्टी को जहां जरूरत होगी मैं पूरी ताकत के साथ खड़ा रहूंगा।नाराजगी जैसी कोई बात न पहले थी और ना ही आज है।

अम्बिकापुर विधानसभा में पौने तीन हजार करोड़ के काम

अंबिकापुर विधानसभा में पिछले 5 वर्षो में 2780 करोड़ के काम हुए हैं विभाग बार आंकड़ा रखते हुए शफ़ी अहमद में बताया करीब 483 करोड़ मेडिकल कालेज और अस्पताल निर्माण में, ग्रामीण क्षेत्रो में नल जल योजना के राज्यांश के रूप में 431.5 करोड़,राष्ट्रीय राज्यमार्ग के निर्माण और मरम्मत का राज्यांश 360 करोड़, शहरी विकास के कार्यो में 223.91 करोड़,लोक निर्माण विभाग की सड़कों के लिए 200,ग्रामीण क्षेत्र की पीएमजीएसवाय और एमएमऔर सड़को के लिए 165.5 करोड़,सब स्टेशन निर्माण और विद्युत विस्तार पर 160 करोड़,प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण और जिला अस्पताल में सुविधा विस्तार पर 146.73 करोड़,मेजर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण पर 121.34 करोड़,शहरी क्षेत्रों में पेयजल के लिए120.1करोड़,सिंचाई योजनाओं पर 103 करोड़,एयरपोर्ट निर्माण पर 90 करोड़,स्कूल जतन योजना के तहत स्कूलों के मरम्मत के पर 432.39 करोड़,ग्रामीण विकास की योजनाओं में423.3 करोड़, आदिवासी हास्टल निर्माण के लिए 33 करोड़, फूड पार्क (रीपा) पर 14.78 करोड़, उच्च शिक्षा विभाग के तहत कॉलेज के निर्माण एवं संधारण पर 16.78 करोड़, विधायक मत के तहत विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 13 करोड़, ग्रामीण विकास विभाग से 11. 63 करोड़,पर्यटन पर आक्सीजन पार्क और पार्कों के निर्माण पर 6.6 करोड़ की राशि से विकास कार्य हुआ है। जिनमे से कुछ कार्य प्रगति पर है।

मतदान के एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का कराना होगा पूर्व प्रमाणीकरण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।
भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निर्वाचन-2023 में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ ही प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के संबंध में व्यापक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत मतदान दिवस और उसके एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी परिपत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन के लिए दूसरे चरण के मतदान के एक दिन पहले एवं मतदान दिवस यानि 16 नवम्बर और 17 नवंबर को प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व जिला अथवा राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति से विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति को प्रमाणन हेतु प्राप्त आवेदन पर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान तिथि को प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन के बाद वे दल अथवा प्रत्याशी जो इससे प्रभावित होते हैं, उनके पास किसी भी प्रकार की सफाई अथवा खंडन का अवसर नहीं होता। ऐसे में स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन जरूरी है।

वोटर टर्न आउट एप के माध्यम से आमजन जान सकते हैं मतदान प्रतिशत की स्थिति

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 नवंबर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 के प्रथम चरण में वोटर टर्नआउट एप काफी मददगार साबित हुई और अब द्वितीय चरण में भी वोटर टर्नआउट एप का इस्तेमाल कर आम नागरिक मतदान की विधानसभावार अपडेटेड जानकारी हासिल कर सकते हैं। वोटर टर्न आउट मोबाइल एप का उपयोग कर मतदान के दिन 17 नवंबर को पल-प्रतिपल जिले का मतदान प्रतिशत देख सकते हैं। वोटर टर्नआउट एप के माध्यम से छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 के द्वितीय चरण में विधानसभावार वोटर टर्न ऑउट की अद्यतन स्थिति जान सकते हैं। https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.eci.pollturnout&hl=en_IN इस लिंक पर जाकर एप डाउनलोड की जा सकती है।

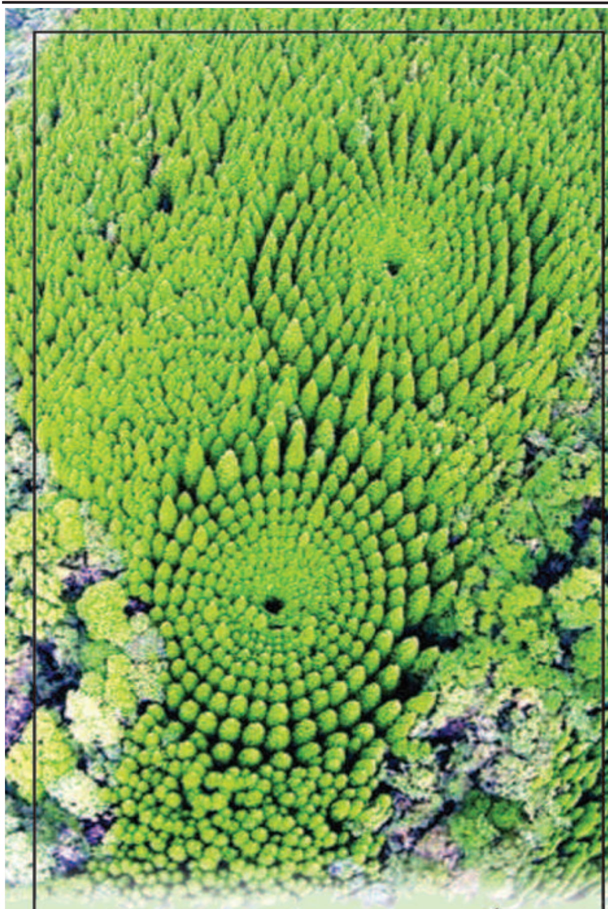

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस **प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।**

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

लोकतांत्रिक चुनाव है या फिर मतदाताओं को रिझाने के लिए घोषणाओं की बोली?

क्या सरकार भी चाहती है जनता दबी कुचली रहे,ऊपर ना बढ़ सके इसीलिए उन्हें निकम्मा बनाने पर उतावले हैं राजनीतिक दल?

विधानसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियां इस समय मतदाताओं को अपनी ओर करने के लिए घोषणाओं की बोली लगा रही हैं

इस समय चुनाव जीतने के लिए मुफ्त रेवड़ी देने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई

घोषणा पत्र जारी होने के बाद भी नई घोषणा की जारी रही जारी,अपनी ही घोषणा से संतुष्ट नहीं है राजनीतिक पार्टियां,मंचों से नई नई कर रहे हैं घोषणाएं

सभी राजनीतिक पार्टियों का मुख्य केंद्र बना हुआ है किसान किसानों को अपने जाल में फांसने की शुरू हो गई है प्रतिस्पर्धा

क्या राजनीतिक पार्टियां सरकार बनाने के लिए बिना सोचे समझे घोषणाएं कर रही हैं?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,13 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

भारत देश को आजाद होने के बाद एक लोकतांत्रिक देश बनाने के लिए चुनाव प्रक्रिया का चयन किया गया था, यह चुनाव प्रक्रिया कहीं ना कहीं देश को मजबूत बनाने व देश हित के लिए बनाई गई थी पर जैसे-जैसे देश आजादी के बाद आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के दीमक लगने लगे हैं, ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि राजनीतिक दल अपने ताकत या कहे की व्यक्तिगत ताकत पाने के लिए देश को ही मुफ्तखोरी के दलदल में धकेल रहे हैं, गरीबी हटाने में असमर्थ हैं साबित हो चुके राजनीतिक दल, रोजगार दे नहीं सकते रोजगार के लिए प्रेरित कर नहीं सकते सिर्फ कर रहे हैं तो बेरोजगारों को कमजोर कोई भी एक बार का लालच देकर और उनकी ख्वाहिश पूरी करके एक बार मुफ्त में दीजिए और उन्हें कमजोर हुआ दिमाग से अपना बनाइए। इस समय देश या राज्य का भविष्य छोड़कर सरकार में कैसे आए इसकी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है, लोकतंत्र इस प्रतिस्पर्धा में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है कहीं ना कहीं इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत जनता के पास अपनी मजबूत सरकार चुनने का अधिकार तो है पर जनता भी मजबूत सरकार चुने तो चुने कैसे क्योंकि उनके पास तो चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक पार्टियां बिना कुछ किए ही उन्हें रेवड़ी के समान घर बैठे सब कुछ देने को तैयार है, ऐसा कहा जाए तो जैसे एक स्वस्थ आदमी को कोई भी नशा धीरे-धीरे उसका आदि बना देता है ठीक उसी प्रकार इस राजनीति के क्षेत्र में जनता को राजनीतिक पार्टियों का मुफ्त वाला घोषणा उन्हें दबा कुचला बनाने के लिए काफी है, राजनीतिक पार्टियों के दिमाग में यह चीज बहुत तेजी से चल रही है कि देश में एक बहुत बड़ा वर्ग उन्हें मुफ्त के लालच में सत्ता दिला सकता है, यही वजह है कि सत्ता पाने के लिए देश को बेचकर मुफ्त की योजनाएं लागू की जा रही है उसकी भरपाई होती नहीं और राज्य की सरकार केंद्र पर आरोप लगाती है कि देश का जीडीपी गिर रहा है और केंद्र की सरकार है राज्य पर आरोप लगाती है कि भ्रष्टाचार हो रहा है कुल मिलाकर जनता के लिए राजनीति ही फजीहत बनती जा रही है।

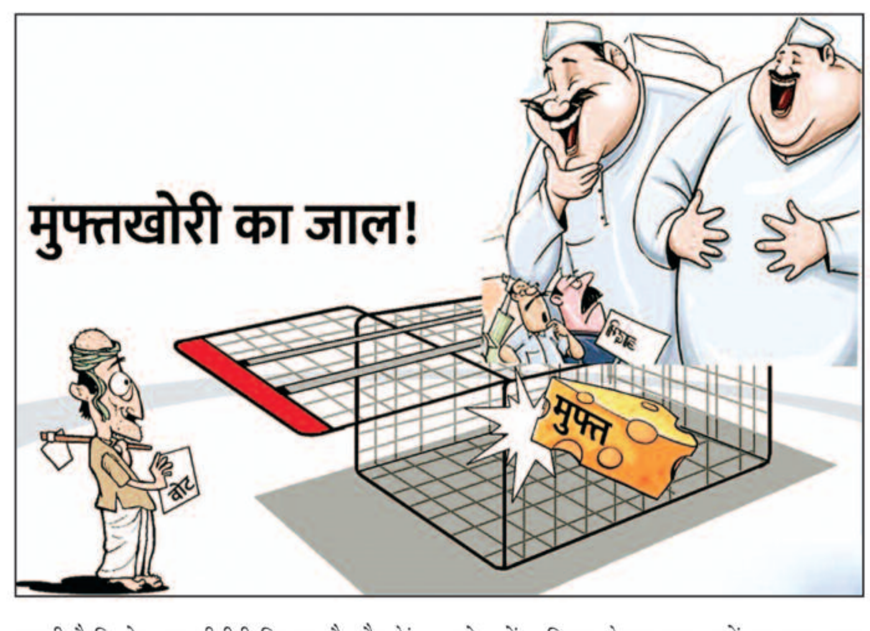

छत्तीसगढ़ राज्य में जारी विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगातार देखा जा रहा है की सत्ता की चाह रखने वाले राष्ट्रीय राजनीतिक दल हों क्षेत्रीय राजनीतिक दल हों या फिर निर्दलीय प्रत्याशी ही क्यों न हों सभी की घोषणाएं जनता के लिए मुफ्तखोरी जैसी मात्र है, सभी चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे राजनीतिक दल निर्दलीय प्रत्याशी जनता के बीच केवल मुफ्तखोरी की ही योजना लेकर जा रहे हैं देश का विकास अवरूद्ध हो प्रदेश का विकास अवरूद्ध हो साथ ही देश प्रदेश पर कर्ज का बोझ पड़ता है तो पड़े इससे उन्हे कोई फर्क नहीं यह वह साबित कर रहे हैं। प्रदेश में चुनाव मुख्य रूप से देखा जाए तो दो राजनीतिक दलों के बीच ही है यह तय हो चुका है अब तक के रुझानों से। प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच ही कोई एक सत्ता की कुर्सी तक जाने वाला है यह भी तय माना जा रहा है शेष का प्रदेश में अस्तित्व केवल कुछ मतों का इधर उधर करने तक सीमित है जो किसी एक दल के हार की वजह ही मात्र बनेंगे और इससे ज्यादा कुछ नहीं। प्रदेश में दो प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी घोषणा जारी की और वह चुनाव प्रचार में कूद पड़े,इस बार चुनाव में सबसे ज्यादा परेशान दल सत्ताधारी दल है जिसे सत्ता की कुर्सी बचाने की फिक्र है इसलिए वह फूंक फूंककर कदम रख रही है वहीं भाजपा भी अपने पत्ते सम्हालकर खोल रही है जिससे उसे अधिकतम लाभ चुनाव में मिल सके। कांग्रेस भाजपा की चुनावी लड़ाई में इस बार एक और महत्वपूर्ण चीज देखने को मिली और वह यह थी की भाजपा ने जहां एक ही बार में अपनी घोषणा जिसे उन्होंने मोदी का संकल्प पत्र बताकर जनता के सामने रख दिया जारी कर दिया वहीं कांग्रेस ने क्रम से अपनी घोषणा जारी की और उसने भाजपा की घोषणाओं पर नजर बनाए रखी और जिन घोषणाओं का असर भाजपा के उन्हे ज्यादा मतदाताओं पर पड़ता नजर आया वह उसको लेकर भी सजग हुए और अलग से उसे भी घोषणा में शामिल कर लिया।

राजनीतिक दल मुफ्तखोरी की घोषणाओं की लगा रहे बोली,क्षेत्रीय दल साथ ही निर्दलीय प्रत्याशी भी मुफ्तखोरी की घोषणाओं में पीछे नहीं

इस चुनाव में साफ तौर पर देखा जा रहा है की राजनीतिक दल हों क्षेत्रीय दल हों निर्दलीय प्रत्याशी हों सभी मुफ्तखोरी की घोषणाओं के साथ चुनावी मैदान में हैं। जनता को घर में सोए सोए क्या क्या वह दे सकते हैं ऐसी कई योजनाएं इस बार की राजनीतिक दलों की घोषणाएं हैं। मुफ्त अनाज,मुफ्त यात्रा,मुफ्त बिजली, मुफ्त पैसा सब कुछ है घोषणाओं में। राजनीतिक दल हर स्थिति में सत्ता की कुर्सी तक जाना चाहते हैं वह इसलिए मुफ्त की योजनाओं को लेकर जनता के सामने जा रहे हैं।मतदाता किसी भी उनकी तरफ आकर्षित हों यह राजनीतिक दलों की पहली प्राथमिकता बनी हुई है।

मुफ्त की रेवड़ी बांटने की घोषणाओं के बीच देश और प्रदेश हित का किसी ने नहीं रखा है घोषणा पत्र में ध्यान

शिक्षा चिकित्सा किसी देश राज्य की सरकार के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए यह माना जाता है,शेष जनता को रोजगार मिले और वह सक्षम होकर खुद अपनी आजीविका चला सके यह भी सरकारों का काम है,लेकिन इस चुनाव में यह देखने को मिल रहा है की मुफ्त की रेवड़ी बांटने में राजनीतिक दल ज्यादा दे रहें हैं। शिक्षा चिकित्सा की बात तो राजनीतिक दल कर रहे हैं लेकिन इनका नंबर आखिरी है पहले नंबर पर मुफ्त की रेवड़ी वाली घोषणाएं हैं। देश प्रदेश का हित घोषणाओं में कहीं नजर नहीं आ रहा है जो चिंता का विषय है।

किसानों महिलाओं को आकर्षित करने राजनीतिक दलों में देखी जा रही है प्रतिस्पर्धा

इस बार के चुनावी घोषणा में राजनीतिक दलों ने महिलाओं और किसानों पर ज्यादा ध्यान दिया है। सबसे पहले घोषणा पत्र जिसे संकल्प पत्र कहकर भाजपा ने जारी किया जिसमे किसानों को बेहतर समर्थन मूल्य फसलों का वनोपज का साथ ही पिछ्ला बोनस फसल का उन्होंने देने का वादा किया वहीं महिलाओं को 12000 प्रतिवर्ष देने की घोषणा कर उन्होंने महिलाओं को भी अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास किया वहीं सत्ताधारी दल जिसने भाजपा के घोषणा पत्र का इंतजार किया और किसानों के कर्ज माफी को उसने पहला मुद्दा बनाया साथ ही फसल के समर्थन मूल्य को भी भाजपा से ज्यादा घोषित किया,कांग्रेस ने पहले अपनी घोषणा में महिलाओं को लेकर कोई घोषणा नहीं की लेकिन बाद में उसने भी महिलाओं को लेकर एक घोषणा कर दी ,माना जा रहा है की प्रथम चरण के चुनाव परिणाम विपरीत जा रहे हैं ऐसा भी मानकर यह घोषणा सत्ताधारी दल की मजबूरी बनी है।कुल मिलाकर राजनीतिक दलों में आपसी प्रतिस्पर्धा मची हुई है और कोई भी मुफ्त की रेवड़ी बांटने में पीछे नहीं रहने वाला।

राजनीतिक दल बिना कुछ सोचे समझे कर रहे घोषणा, प्रदेश पर कर्ज का पड़ेगा भार इसको लेकर किसी राजनीतिक दल ने नहीं दिखाई गंभीरता,सत्ता ही मूल उद्देश्य

राजनीतिक दलों की घोषणाएं ऐसी हैं जिसे देखकर कहा जा सकता है की कोई भी राजनीतिक दल बिना कुछ सोचे समझे घोषणा किए जा रहे हैं। घोषणाओं का क्या असर पड़ेगा देश प्रदेश पर कितना कर्ज बढ़ेगा यह कोई दल नहीं सोच रहा है। मुफ्त खोरी की आदत जनता के लिए कितनी नुकसानदायक साबित होंगी यह भी उनकी चिंता का हिस्सा नहीं है जो देखा माना जा रहा है। मुफ्त ले लो मुफ्त ले लो यही सभी तरफ से संकेत सामने आ रहे हैं।सत्ता की कुर्सी मूल उद्देश्य है राजनीतिक दलों का यही देखने को मिल रहा है घोषणाओं को देखकर ।

सत्ताधारी दल अपनी योजनाओं उपलब्धियों की बजाए मुफ्त घोषणाओं के सहारे दिख रहा चुनावी मैदान में

भाजपा सत्ता से बाहर है वह भी मुफ्तखोरी की घोषणा कर रही है क्योंकि कर्नाटक चुनाव परिणाम उन्हे एक सिख दे गई है की लोक लुभावन घोषणा की सत्ता की कुर्सी का माध्यम बन सकती है वहीं सत्ताधारी दल भी लगातार मुफ्तखोरी की ही घोषणा कर रही है अपनी वर्तमान कार्यकाल की उपलब्धि अपनी योजनाओं को छोड़कर वह या तो भाजपा पर प्रहार करती नजर आ रही है आरोप लगाती नजर आ रही है वहीं अपनी योजनाओं और उपलब्धि बताने से कहीं न कहीं कतरा रही है। देखा जाए तो सत्ताधारी दल भी मान चुकी है की जनता का विश्वास उसे मुफ्त की घोषणाओं के सहारे ही मिलने वाला है जिसमे उसे भाजपा से आगे निकलना होगा वरना कुर्सी जाना तय है इसलिए पूरक घोषणाओं का सत्ताधारी दल जुगाड बना रही है। अपनी पुरानी जारी योजनाओं और घोषणाओं के बल पर सत्ता में वापसी होगी ऐसा सत्ताधारी दल नहीं मानकर चल रही है ऐसा भी उसकी पूरक घोषणाओं के बाद माना जा रहा है जो वह स्वीकार करती नजर आ रही है।

मुफ्त शिक्षा मुफ्त चिकित्सा,किसान जैसे मूलभूत विषय देश की आजादी के 75 सालों बाद याद आए राजनीतिक दलों को,यह भी विचारणीय

मूलभूत सुविधा जो शिक्षा और स्वास्थ्य है किसानो का हित है उसको लेकर देश की राजनीति में 75 साल बाद राजनीतिक दलों को ध्यान देते देखा जा रहा है। इसके पहले ऐसी घोषणाएं कभी सुनने को नहीं मिलती थीं,चेहरे पर और परिवारों के नाम पर चुनावों में जीत हार तय होती थी जो देखने को मिल रहा है। अब परिवारवाद और चेहरा देखकर वोट नहीं मिलेगा यह भी राजनीतिक दल स्वीकार करते नजर आ रहे हैं।

कर्मचारी भी होंगे निर्णायक,सत्ताधारी दल से कर्मचारियों की नाराजगी सत्ताधारी दल पर न पड़ जाए भारी

नियमित कर्मचारी हों,अनियमित कर्मचारी हों,संविदा कर्मचारी हों पंचायत के कर्मचारी हों,दैनिक वेतन भोगी हों या अल्प कालीन कोई कर्मचारी वह सभी भी इस बार निर्णायक होंगे चुनाव में राजनीतिक दलों के लिए। सत्ताधारी दल से कर्मचारी प्रदेश के नाराज हैं वहीं देखा जाए तो सत्ताधारी दल ने कर्मचारियों के लिए कोई नई घोषणा भी नहीं की है वहीं पिछ्ली पूरी भी नहीं की है ऐसे में माना जा रहा है की कहीं सत्ताधारी दल को कर्मचारियों की नाराजगी भारी न पड़ जाए।

जनता आश्रित बनी रहे,अनुदान के सहारे वह जीवन काटते रहें,बेरोजगार बेरोजगारी भत्ता से खुश रहें नेता मलाई खाते रहें यही है राजनीतिक दलों का घोषणा पत्र का असली उद्देश्य

राजनीतिक दलों की घोषणाओं को यदि समझा जाए तो स्पष्ट है की वह चाहते हैं की जनता अलाल बनी रही,राशन दुकानों में लाइन लगाकर राशन ले,अन्य सामान मुफ्त में ले,कामधाम न करे,बेरोजगार केवल लाइन लगाकर बेरोजगारी भत्ता लेते रहें और नेता मलाई खाते रहें। राजनीतिक दलों को सत्ता की कुर्सी मिल जाए बाकी जनता जीवन भर अलाल बनी रहे यही राजनीतिक दलों की मंशा नजर आ रही है।

सत्ताधारी दल इस चुनाव में बड़ी घबड़ाई नजर आ रही है...

कुल मिलाकर सत्ताधारी दल इस चुनाव में बड़ी घबड़ाई नजर आ रही है और वह और भी घोषणा कर सकती है इसकी भी संभावना बताई जा रही है क्योंकि उनका अपना ही आंतरिक सर्वे उन्हे कहीं न कहीं चुनाव में पीछे बता रहा है जिससे वह प्रतिदिन समीक्षा में लगे हुए हैं। सत्ताधारी दल के साथ एक समस्या और खड़ी नजर आ रही है जिससे वह भयभीत है और वह यह की भाजपा लगातार आरोप लगा रही है की पूर्व की ही घोषणाएं सत्ताधारी दल पूरी कर पाने में पांच साल असफल रही और जब वह पिछ्ली ही घोषणाओं को लेकर अभी सवालों में हैं जनता के सामने निरुत्तर हैं ऐसे में उनकी नई घोषणाओं को लेकर जनता कितना विश्वास करेगी यह उसकी चिंता है। सत्ताधारी दल के लिए कर्मचारी भी चिंता का विषय बने हुए हैं जिन्हे लेकर उसने एक भी घोषणा नहीं की है। अब सत्ताधारी दल या विपक्षी दल भाजपा दोनो की बात करें तो दोनो ही मुफ्तखोरी वाली घोषणाओं पर ज्यादा ध्यान देते नजर आ रहे हैं रोजगार सहित राज्य सहित देश की समृद्धि की बात का उल्लेख किसी की घोषणा में नहीं है। सत्ताधारी दल जो पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुनावी मैदान में है वह अपनी योजनाओं का प्रचार नहीं कर पा रही उसके लिए भी मुफ्तखोरी वाली घोषणाएं ही चुनावी जीत का आधार हो सकती है वह मानकर चल रही है जो घोषणापत्र में उसके देखा जा रहा है। अब सत्ता के लिए लोगों को मुफ्तखोर बनाने एक होड़ नजर आ रही है। वैसे भाजपा की बात करें तो वह कर्नाटक चुनाव में देश हित के मुद्दों के साथ चुनाव में थी वहीं कांग्रेस मुफ्त की कई योजनाओं को आगे कर चुनाव में थी, कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस की योजनाओं को जो कहीं न कहीं मुफ्त वाली योजनाएं थीं उसको आधार मानकर मतदान किया कांग्रेस की जीत हुई जिसके बाद से ही भाजपा ने भी रणनीति बदल दी है और वह भी अब मुफ्त की योजनाओं के साथ चुनावी मैदान में है जो देखने को मिल रहा है। अब देखना है बाजी किसके खाते में जाति है।

जागरूकता की रोशनी से जगमगा उठा तातापानी परिसर

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने दीप प्रज्वलित कर लोकतंत्र में भागीदारी का किया आह्वान

-संवाददाता-
बलरामपुर,13 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले के ऐतिहासिक स्थल तातापानी स्थित तालाब के किनारे 6 हजार दीप प्रज्वलित कर मतदाता जन जागरूकता दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रिमिजियुस एक्का, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी व स्वीप नोडल श्रीमती रेना जमील उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और समूह की महिलाओं ने आगामी निर्वाचन 17 नवंबर को शत-प्रतिशत मतदान करने और मतदान के लिए जनजागरण का संकल्प लिया। दीप के प्रकाश से पूरा तातापानी परिसर प्रांगण दीप उत्सव सा जगमगा उठा।

दीपावली की पूर्व संध्या में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रिमिजियुस एक्का ने तातापानी में दीप प्रज्वलित किया और कहा की जिले के सभी मतदाता दीपोत्सव के साथ लोकतंत्र के महोत्सव में भी पुरे उल्लास के साथ भागीदारी का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारा जिला छत्तीसगढ़ के सिरमौर पर स्थित है उसी प्रकार मतदान के मामले में भी अग्रणी रहें। कलेक्टर ने कहा की जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा चुनाव से जुड़ी सारी तैयारियां पूरी मुस्तैदी के साथ की जा रही है ताकि जिले का प्रत्येक मतदाता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। उन्होंने कहा की प्रत्येक मतदाता स्वयं मतदान करें और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। गौरतलब है कि आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में छोड़हूँ बूता काम करहूँ पहिले मतदान की थीम पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे रैली रंगोली, मेंहदी, लेखन, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित कर मतदाताओं को जाति, धर्म से उठकर बिना किसी प्रलोभन के चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी तारतम्य में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत दीवाली के पूर्व संध्या में जिले के ऐतिहासिक स्थल तातापानी में दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम रखा गया और शत-प्रतिशत मतदान हेतु लोगों को प्रेरित किया गया। जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी और समूह की महिलाएं और स्थानीय निवासी बड़े उत्साह के साथ तातापानी परिसर में एकत्र हुए और उन्होंने मिलकर दीप दान किया और फूलों की रंगोली से चुनई-चिरई बनाकर दीपों की उजास से 17 नवम्बर को मतदान करने का संदेश देकर लोकतांत्रिक परम्परा का निर्वहन करने की शपथ ली।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर प्रशासन की कार्यवाही

-संवाददाता-
बलरामपुर,13 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिले में आदर्श आचरण संहिता का पालन नियमित करवाया जा रहा है, साथ ही प्रशासन के अमलों द्वारा सतत निगरानी भी रखी जा रही है और उल्लंघन पाए जाने पर कार्यवाही भी की जा रही है। इसी कड़ी में प्राप्त सूचना अनुसार जिले के विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन पर कार्यवाही की गई। अनुविभागीय दंडाधिकारी राजपुर को प्राप्त सूचना एवं व्हाट्सएप मैसेज में सर्कुलेट महतारी वंदन योजना संबंधित पम्पलेट प्रिंटर सौरभ फ्लैक्स एण्ड प्रिटिंग प्रेस महुआपारा द्वारा मुद्रित किया गया है।

तत्पश्चात अनुविभागीय अधिकारी एवं एफ.एस.टी. टीम द्वारा प्रिंटिंग प्रेस में उक्त पम्पलेट की जांच की गई। जांच के दौरान प्रिंटिंग प्रेस के संचालक को आदर्श आचार संहिता अंतर्गत vw|A Of the Representation of the people Act v~zv ·Ô¤ lãl Publisher Declaration (घोषणा) का सह-प्रतिलिपि दिखाने हेतु कहा गया, किन्तु श्री प्रेस के संचालक द्वारा आज दिनांक तक कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही जिला दंडाधिकारी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय को किसी प्रकार की सूचना दी। दस्तावेजों के अभाव में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होना पाया गया। और प्रशासन द्वारा अग्रिम कार्यवाही करते हुए सौरभ फ्लेक्स प्रिंटिंग राजपुर को सील करने की कार्यवाही की गई। साथ ही प्रिंटिंग प्रेस के संचालक को अपना पक्ष रखने हेतु जिला निर्वाचन कार्यालय बलरामपुर में उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया।

जिला विभाजन के बाद पहला चुनाव संपन्न होगा अव्यवस्थाओं के बीच

मतदान दलों में संलग्न कर्मचारियों का प्रशिक्षण हुआ संपन्न,दल के पूरे सदस्यों से अभी तक उनकी नहीं हुई मुलाकात

ऐसी संभावनाओं को मिल रहा बल

पूर्व के चुनावों में अंतिम प्रशिक्षण में तय हो जाता था दल,दल के सारे सदस्य आपस में हो जाते थे परिचित

अव्यवस्था के बीच संपन्न होगा कोरिया एमसीबी जिले का विधानसभा चुनाव,संभावना अभी से आने लगी नजर

कोरिया एमसीबी जिले की तीन विधानसभाओं के चुनाव में इस बार अव्यवस्था का आलम देखने को मिल सकता है मतदान दल के कर्मचारियों के मामले में यह माना जा रहा है। एक जिले के कर्मचारी दूसरे जिले में मतदान कराने जायेंगे और इस बीच उन्हे प्रशिक्षण अलग अलग जिले में प्रदान किया जा रहा है। विधानसभाओं का भी क्षेत्र ऐसा है की एक विधानसभा का कुछ क्षेत्र अलग जिले में है कुछ अलग जिल में। कर्मचारी कैसे बांटे जाएंगे यह भी तय करना आसान नहीं है। कुल मिलाकर कौन कर्मचारी किस विधानसभा में जायेगा यह बता दिया गया है लेकिन वह किस तरह जायेगा कहां से सामग्री उठाएगा उसे मालूम नहीं है। अन्य जिले जाना है सामग्री उठाने तो किस साधन से जाना है अपना साधन होगा या व्यवस्था निर्वाचन आयोग करेगा यह भी तय नहीं है। कब पहुंचना है कब सामग्री उठाव करना है सब कुछ अभी तक तय नहीं है। कर्मचारी असमंजस में हैं

रिजर्व दिवस की भी व्यवस्था शायद नहीं, जबकि दूरस्थ क्षेत्र में हैं कई मतदान केंद्र

जैसा बताया जा रहा है की गिनती के दलों को एक दिन पूर्व मतदान केंद्र भेजा जाएगा जिन केंद्रो को दूरस्थ माना जा रहा है जबकि कई ऐसे भी मतदान केंद्र हैं जो दूरस्थ हैं लेकिन उन्हे दूरस्थ की श्रेणी में नहीं रखा जा रहा है। मतदान दलों के लिए एक दिन पूर्व भी काफी काम होता है जो उन्हे सम्पन्न करना होता है और यदि वह अपने मतदान केंद्र तक 12 बजे दोपहर तक पहुंच पाते हैं तभी वह सभी कार्य बेहतर कर पाते हैं,यदि विलंब होता है उनके लिए दिक्कत होती है। कम मतदान केंद्रों को रिजर्व दिवस के लिए चयनित किया गया जबकि अधिकांश दूरस्थ ही हैं मतदान केंद्र यदि एक जिले से दूसरे जिले जाकर सामग्री भी उठाना है कर्मचारियों को और मतदान केंद्र जाना है दूसरे जिले के। ऐसे में अधिक से अधिक मतदान दलों को एक दिन पूर्व भेंजने से ही सही तरीके से मतदान कार्य संपन्न हो पाएगा ऐसा माना जा रहा है वरना कर्मचारियों को परेशान ही होना पड़ेगा ऐसा माना जा रहा है।

वाहन खराब होने की भी होती है संभावना, इसलिए भी रिजर्व दिवस जरूरी ऐसा भी माना जाता है

मतदान दलों को लेकर जाने वाले वाहन कई बार खराब भी होते हैं और मतदान दल के कर्मचारी परेशान होते हैं, इसलिए भी एक दिन पूर्व मतदान दलों को भेजना जिसमे एक रिजर्व दिवस शामिल हो ऐसा करना उचित रहता है ऐसा माना जाता है। वरना ऐसी स्थिति आने पर कर्मचारी सही ढंग से काम नही कर पाते क्योंकि उन्हे समय पर नही पहुंच पाने के कारण कई काम जल्दबाजी में करना पड़ता है जिसमे गलतियों की संभावना होती है।

पहली बार चुनाव कार्य में अनुभवी चुनाव संचालक की कमी देखी जा रही है

माना जा रहा है की पहली बार दो जिलों के चुनाव में किसी अनुभवी चुनाव संचालक की कमी महसूस की जा रही है। इस बार दो जिलों में विभाजित हो चुके दो जिले पहले एक ही थे और कभी ऐसी अव्यवस्था चुनाव प्रशिक्षण साथ ही आगे की कार्यवाहियों को लेकर संशय वाली नहीं देखी गई थी,यह पहला मौका है जब माना जा रहा है की योग्य संचालक का अभाव है इसलिए अभी तक स्थिति मतदान दलों के कर्मचारियों के सामने स्पष्ट नहीं है।

इस चुनाव में दल के कर्मचारी अभी तक आपस में अनजान,कई दलों के कर्मचारियों को किस दल में होंगे सदस्य मालूम ही नहीं

दूरस्थ क्षेत्र में कब जायेंगे मतदान दलों में संलग्न कर्मचारी, अभी तक यह भी बात स्पष्ट नहीं

मतदान दलों के कर्मचारियों को मतदान दिवस के एक दिन पूर्व करनी पड़ती है तैयारी,इस बार देर से पहुचेंगे कर्मचारी ऐसी भी संभावना

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/एमसीबी,13 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विभाजित जिला कोरिया जिससे अलग होकर एक नया जिला एमसीबी बना है में कुल तीन विधानसभा आती हैं।कोरिया जिले में वैसे तो एक ही विधानसभा है लेकिन एक विधानसभा का आधा हिस्सा कोरिया जिले में शामिल है वहीं एमसीबी जिले में दो विधानसभाएं आती हैं वहीं कोरिया जिले की एक विधानसभा का कुछ हिस्सा एमसीबी जिले में आता है। जिला विभाजन हुआ नवीन जिला गठित हुआ एक जिले के लोग नाराज हुए एक के प्रसन्न हुए यह भी देखने को मिला लेकिन अब दो जिलों में विधानसभा चुनाव के दौरान दिक्कत आती नजर आ रही है जो अभी से समझ में आने लगी है। दो जिलों की तीन विधानसभाओं में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार सबसे ज्यादा मतदान दल में संलग्न कर्मचारी परेशान होंगे इसकी भी संभावना नजर आ रही है क्योंकि जिले का विभाजन ऐसा हुआ है की एक जिले के कर्मचारी को दूसरे जिले में मतदान दल में संलग्न होकर मतदान कराने जाना है। विभाजन में एक जिले में शामिल विधानसभा का हिस्सा दूसरे जिले का हिस्सा है ऐसे दो विधानसभा भी हैं तीन विधानसभाओं के जिले में वहीं इस बार मतदान कार्य में संलग्न कर्मचारियों को प्रशिक्षित तो कर दिया गया है लेकिन उन्हे किस दल में जाना है या उनके दल में कौन कौन कर्मचारी शामिल होंगे यह उन्हे नहीं मालूम जबकि बताया जाता है की मतदान दलों के प्रशिक्षण के अंतिम प्रशिक्षण में यह तय हो जाता है की दल में शामिल चार सदस्य कौन कौन होंगे लेकिन इस बार कुछ दलों को छोड़कर अधिकांश को पता ही नहीं है की उनका पूरा दल कहां है। माना जा रहा है ऐसा पहली बार हो रहा है जब मतदान दल के कर्मचारी असमंजस में हैं।

दो जिलों में जाकर मतदान कराना और ऐसी व्यवस्था इसका मूल है यह भी माना जा रहा है और दो जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं कर पा रहे हैं यह भी इसकी वजह मानी जा रही है। कर्मचारियों को कब जाना है सामग्री का उठाव कहां से करना है रिपोर्टिंग कब करनी है उन्हे कुछ भी नहीं बताया गया है जबकि अब मतदान को केवल कुछ ही दिन बचे हैं। कर्मचारियों की माने तो उन्हे प्रशिक्षण के दौरान बताया गया है की अंतिम जानकारी उन्हे वॉट्सऐप के माध्यम से दे दी जाएगी जबकि कुछ कर्मचारियों का यह भी कहना है की कब सूचना मोबाइल में आएगी यह भी नहीं बताया गया है जबकि कुछ कर्मचारियों का घर ऐसी जगहों पर है जहां आज भी मोबाइल में सिग्नल की समस्या है। किस साधन से उन्हे सामग्री उठाव केंद्र पहुंचना है यदि वह अन्य जिलों से आयेंगे यह भी उन्हे नहीं बताया गया है। कुल मिलाकर इस बार विभाजित कोरिया जिले में चुनाव अव्यवस्था के बीच संपन्न होगा यह नजर आने लगा है। कर्मचारियों का कहना है की कई विधानसभा के कई क्षेत्र ऐसे हैं की यदि वहां सामग्री का उठाव करके के जिला मुख्यालय से निकला जाए तो दिनभर का समय लगना तय है क्योंकि कई दल एक वाहन में सवार होते हैं और ऐसे में एक एक दल को मतदान दल केंद्र में छोड़ते हुए कई बार अंतिम मतदान केंद्र जो एक ही वाहन में सवार होता है देर शाम पहुंच पाता है और उसे उस दिवस कोई काम करने का समय नहीं मिलता जिस दिन वह पहुंच पाता है। वाहन का खराब होना भी वजह बनती है जब मतदान दल कभी कभी देर से मतदान केंद्र पहुंच पाते हैं और इस चुनाव में दो जिलों का प्रशासन इन संभावनाओं पर निरुत्तर है मौन है जो देखा जा रहा है।

दो जिला निर्वाचन अधिकारी मिलकर भी अभी तक कैसे संपन्न होगा चुनाव बेहतर तरीके से तय नहीं कर पाए

माना जा रहा है की दो जिलों में बंटने और एक दूसरे जिले में कर्मचारियों के चुनाव संपन्न कराने जाने की स्थिति थी तो टीम ऐसी बनानी थी जिसमे एक जिले के ही कर्मचारी एक जिले के किसी विधानसभा के भेजे जाते जबकि अभी की स्थिति यह बताती है की अलग अलग जिले और विधानसभा के कर्मचारियों को मिलाकर टीम बनाई जा रही है और जिनका प्रशिक्षण भी अलग अलग जिले में हो रहा है। कुल मिलाकर माना जा रहा है की दो जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं कर पा रहे हैं और इसीलिए ऐसी स्थिति सामने आ रही है और अभी तक कर्मचारियों के बीच संशय की स्थिति बनी हुई है।

किसे कहां से उठानी है सामग्री सभी को इसकी भी जानकारी नहीं

कोरिया जिले के अधिकांश कर्मचारियों को विधानसभा क्रमांक 1 में भेजा जा रहा है चुनाव संपन्न कराने वहीं इसी जिले के कुछ को जिनका विधानसभा क्रमांक 1 है उन्हे अन्यत्र भेजा जा रहा है। कोरिया जिले के कई कर्मचारियों को जिन्हे विधानसभा क्रमांक 1 में जाना है उन्हे यह तो मालूम है की उन्हे किस विधानसभा में जाना है लेकिन सामग्री उठाव को लेकर सभी कर्मचारियों को स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ को भेजा जा रहा है क्रमांक 1 विधानसभा में लेकिन उन्हे सामग्री उठाने कहां जाना है यह नहीं बताया गया है लेकिन कुछ के आदेश में ही यह लिखा है की एमसीबी जिले से सामग्री उठाना है। अब इसको लेकर भी असमंजस है कर्मचारियों में,कुछ का मानना है की उनके आदेश में सामग्री उठाव जिला नहीं लिखा है अन्य में लिखा है इसका मतलब उन्हे कोरिया जिले से सामग्री मिलेगी और उन्हे सोनहत क्षेत्र भेजा जाएगा वहीं कुछ जिन्हे एमसिबि जिला बुलाया गया है आदेश में लिखा गया है उन्हे भरतपुर क्षेत्र भेजा जाएगा यह तय है। अब क्या एक ही विधानसभा के लिए अलग अलग जिले से सामग्री बांटी जाने वाली है और वापस भी अलग अलग जिले में की जानी है यह संशय बना हुआ है।

मतदान दलों का आपसी परिचय प्रशिक्षण के अंतिम दिवस होता आया है,इस बार अभी तक दल के पूरे कर्मचारी आपस में परिचित नहीं

पहले के चुनावों में मतदान दलों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के अंतिम दिवस सभी कर्मचारी एक मतदान दल के आपस में परिचत करा दिए जाते थे आपसी सामंजस्य उनके बीच स्थापित कर दिया जाता था। यह पहला चुनाव होने जा रहा है जब अभी तक कर्मचारियों का आपसी परिचय नहीं हुआ है जो एक दल में हैं। अब उनका आपसी परिचय कब होगा यह संशय बना हुआ है। पहले परिचय होने के कारण आपस में एक दल के कर्मचारी आपसी संपर्क नंबर आपस में बांट लिया करते थे और सामग्री उठाव के दिन वह एक साथ पहुंच पाते थे एक दूसरे को ढूंढना नहीं पड़ता था। इस बार किस दल के कर्मचारी उन्हे कहां मिलेंगे,उन्हे आपस का संपर्क नंबर कहां से मिलेगा उन्हे कुछ नहीं मालूम। अभी भी मतदान दल के कर्मचारी जान नहीं पाए हैं की उन्हे किन किन के साथ एक केंद्र में जाना है। कुल मिलाकर यह भी एक असफलता है जिले के वरिष्ठ अधिकारियों का जो निर्वाचन कार्य संपन्न कराने में लगे हुए हैं

सुबह सुबह कर्मचारी कैसे पहुचेंगे दूसरे जिले सामग्री उठाने,जबकि कई के पास चार पहिया वाहन नहीं ठंड का है मौसम,वहीं किराए पर चलने वाली गाड़ियां चुनाव कार्य में संलग्न

एक जिले के कर्मचारी दूसरे जिले से सामग्री उठाव करेंगे,उन्हे सुबह सुबह दूसरे जिले के सामग्री वितरण केन्द्र तक पहुंचना है,अभी ठंड का मौसम है ऐसे में कर्मचारियों को चार पहिया वाहन की जरूरत होगी वहीं सभी के पास चार पहिया वाहन नहीं है वहीं किराए पर चलने वाले वाहन लगभग चुनाव कार्य में लगे हुए हैं ऐसे में कर्मचारी सुबह सुबह कैसे पहुचेंगे दुसरे जिले इसकी भी व्यवस्था क्या प्रशासन करेगा यह भी तय नहीं है।

गृहलक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को मिलेगा 15 हजार

-संवाददाता-
कोरबा,13 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने प्रेसवार्ता लेते हुए पत्रकारों को प्रदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किए गए घोषणा गृह लक्ष्मी योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा के, प्रदेश में आगामी कांग्रेस की सरकार बनते ही इस योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक महिलाओं को 15000 रुपए प्रतिवर्ष दिए जायेंगे । उन्होंने बताया के गृह लक्ष्मी योजना में प्रत्येक महिला को बगैर लाइन लगे ,बगैर किसी कागजी पेचीदगियों एवं परेशानियों के यह राशि प्रत्येक वर्ष उनके खाते में पहुंच जाया करेगा, जिस प्रकार पिछले कार्यकाल में कांग्रेस सरकार में आते ही किसानों का कर्ज 15 दिनों के अंदर माफ कर दिया गया था, ठीक उसी प्रकार इस गृह लक्ष्मी योजना को भी लागू किया जाएगा । यह योजना पूरे प्रदेश में भूपेश सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए चालू किया जायेगा,जिसे प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही 15 दिनों के अंदर प्रारंभ किया जाएगा। श्री जयसिंह अग्रवाल ने इस दौरान प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र के विभिन्न योजनाओं को लेकर पत्रकारों से चर्चा की ,साथ ही यह भी बताया के उनके विधानसभा क्षेत्र में जो पानी, बिजली, सड़क,स्वास्थ्य, शिक्षा की समस्याएं थी वह उनके 15 साल के कार्यकाल में लगभग पूरा कर लिया गया है और जो भी थोड़ा बहुत कार्य बाकी है, वह भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा ।

अवैध धान भण्डारण पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
बलरामपुर,13 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लिए 01 नवम्बर 2023 से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने सभी निगरानी दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही हो तथा वास्तविक कृषकों से ही धान खरीदी की जाये। उपार्जन केन्द्रों में कृषकों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं हो ताकि वे सुगमता से धान का विक्रय कर पाये।

कलेक्टर एक्का के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर के मार्गदर्शन में तहसीलदार रघुनाथनगर एवं मंडी उप निरीक्षक द्वारा गिरवानी निवासी संजय जायसवाल के द्वारा बभनी(उत्तर प्रदेश) से पिकअप में लाकर लालचन्द्र खैरवार के घर में अवैध रूप से भण्डारित किये गए 60 बोरी धान को जब्त कर कार्यवाही की गई। ज्ञातव्य है कि कलेक्टर श्री एक्का ने जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए टीम गठित कर कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि तथा अनियमितता होने पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसमें शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी।

पेड़ न्यूज पर कार्यवाही के लिए एमसीएमसी की बैठक आज

-संवाददाता-
कोरबा,13 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुप्रमाणन एवं मीडिया अनुवीक्षण समिति की बैठक 14 नवम्बर को आयोजित होगी। समिति में एक बार फिर मीडिया अनुवीक्षण इकाई द्वारा प्रस्तुत पेड न्यूज के मामलों को रखा जाएगा। अनुवीक्षण इकाई द्वारा विगत सप्ताह में समाचार पत्रों में प्रकाशित पेड़ समाचारों और वेबपोर्टल न्यूज़ सहित अन्य माध्यमों में किसी प्रत्याशी विशेष के पक्ष में बनाये जा रहे माहौल और विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मामलों को चिन्हित किया गया है। इसके साथ ही एक ही जैसे समाचारों को भी प्रकरण में शामिल करते हुए प्रस्तुत किया गया है। समिति के अध्यक्ष कलेक्टर है और उनकी अध्यक्षता में यह बैठक 14 नवम्बर को रखी गई है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-...202308021700048 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रंजीत कुमार दुबे आ0 बाल्मीकि दुबे, निवासी रामधिन बगान, बिरसानगर, जिला-पूर्वी सिंहभूम (झारखण्ड) वर्तमान निवास सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/2 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 26/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान साक्ष्य की आवश्यकता प्रतीत होने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-......202308021700034 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुपम राय आ0 जयराम राय, निवासी मायापुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/2 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 12/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान शत्रुघन सिंह, अधिवक्ता द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किये जाने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-..202308021700037 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजनीश सिंह आ0 अखिलेश्वर कुमार सिंह, निवासी गांधीनगर,तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/2 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 19/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान साक्ष्य की आवश्यकता प्रतीत होने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तु कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-....202308021700038 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रियंका पाण्डेय पति कौशल मिश्रा पुत्री उमाशंकर पाण्डेय निवासी नमनाकला अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/4 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 19/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान साक्ष्य की आवश्यकता प्रतीत होने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-.202308021700036 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मनीषा कुमारी पति अंकज कुमार सिंह, निवासी ग्राम फ कुली, जिला- छपरा (बिहार) वर्तमान निवास नमनाकला, पटपरिया, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/2 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 19/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान साक्ष्य की आवश्यकता प्रतीत होने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-...202308021700049 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राजविन्दर कौर भामरा पति जितेंद्र सिंह भामरा, निवासी कमोदा विहार अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/2 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 26/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान साक्ष्य की आवश्यकता प्रतीत होने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-...202308021700035 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नितिन विश्वकर्मा आ0 हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा,निवासी केशवपुर विश्रामपुर तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0) के द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 80/2 में से 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 12/07/2023 के आधार पर विक्रेता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 राजीव रंजन सिन्हा, व अन्य 02, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान शत्रुघन सिंह, अधिवक्ता द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किये जाने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/11/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्ततु कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

CMYK

वर्ल्ड कप में भारत ने लगातार नौवीं जीत दर्ज की

» वर्ल्ड कप 2023 में भारत ने नीदरलैंड को 160 रनों से हराया

» अय्यर ने रोल्फ वान डर मर्व पर एक और दो रन बनाये जबकि आर्यन दत्त और तेज गेंदबाज पॉल वान मीकेरन और लोगान वान बीक को निशाना बनाया।

बैंगलुरू,13 नवम्बर 2023। केएल राहुल (102 रन, 64 गेंद) विश्व कप में सबसे तेज शतक जड़ने वाले भारतीय क्रिकेटर बने जिससे उनके और श्रेयस अय्यर (नाबाद 128 रन, 94 गेंद) के सैकड़े की बदौलत भारत ने यहां नीदरलैंड को अंतिम लीग मैच में 160 रन से हराकर लगातार नौवीं जीत दर्ज की। इससे भारत ने लीग मुकाबलों का समापन 18 अंक से किया और अब बुधवार को मुंबई में टीम का सामना सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से होगा।

अय्यर और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 208 रन साझेदारी बनायी। इन दोनों के अलावा कप्तान रोहित शर्मा (61 रन), शुभमन गिल (51 रन) और विराट कोहली (51 रन) के अर्धशतक से भारत ने चार विकेट पर 410 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह उनका विश्व कप में दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है।

अंतिम 10 ओवर में भारतीय टीम ने 122 रन जोड़े जिससे वह दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बाद टूर्नामिंट में 400 रन से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली तीसरी टीम बनी। पहाड़ जैसे स्कोर के कारण भारतीय गेंदबाजों को नीदरलैंड को 250 रन पर समेटने में ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा।

दिलचस्प बात रही कि कोहली और रोहित ने भी एक एक विकेट लिये। भारतीय टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी की है और इस मैच में भी यही सिलसिला जारी रहा। अय्यर का यह चौथा वनडे शतक और विश्व कप में पहली शतकीय पारी

है। वह तब क्रीज पर उतरे जब गिल और रोहित ने पहले विकेट के लिये 71 गेंद में 100 रन बना लिये थे और भारत बड़ा स्कोर बनाने की ओर बढ़ रहा था।

इस 28 साल के दायें हाथ के बल्लेबाज ने अपनी भूमिका बेहतरीन ढंग से निभायी और उन्हें राहुल के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला।

अय्यर की बल्लेबाजी का सबसे बड़ा आकर्षण उनका जोखिम से बचना रहा जिससे वह गेंदबाजों की गेंद के प्रति सतर्क रहे ताकि रन गति बरकरार रहे। वह स्पिन को आमतौर पर अच्छी तरह खेलते हैं लेकिन बायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ उनकी कमजोरी दिखती है जिसे उनके स्ट्राइक रेट से बखूबी देखा जा सकता है।

अय्यर ने रोल्फ वान डर मर्व पर एक और दो रन बनाये जबकि आर्यन दत्त और तेज गेंदबाज पॉल वान मीकेरन और लोगान वान बीक को निशाना बनाया। वान मीकेरन पर तो उन्होंने लांग ऑन और कवर पर 80 मीटर के दो गगनदायी छक्के जड़े।

उन्होंने तेज गेंदबाज बास डि लीडे पर मिड ऑफ में एक रन लेकर अपने 100 रन पूरे किये जिसके लिए उन्होंने महज 84 गेंद खेली। राहुल अपनी पारी के शुरू में स्ट्राइक रोटेट करते हुए उनका अच्छा साथ निभा रहे थे, फिर उन्होंने वान मीकेरन पर मिड विकेट पर छक्का जड़कर अपने तेवर दिखाये और अपना सातवां वनडे शतक जड़ दिया।

राहुल ने तेज गेंदबाज डि लीडे पर मिड विकेट पर लगातार दो छक्के जड़कर महज 62 गेंद में अपना सैकड़ा पूरा किया। यह वनडे विश्व कप में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी है। अय्यर और राहुल के लिए रोहित, गिल और कोहली ने अर्धशतक जड़कर चीजें आसान कर दीं।

चिन्नास्वामी की उछाल भरी पिच पर 24 वर्षीय गिल ने तेज गेंदबाज वान बीक और दत्त पर एक एक छक्के जमाये जिसमें से दूसरा छक्का स्टेडियम की छत पर गिरा। रोहित ने क्रीज पर जमने में थोड़ा समय लिया क्योंकि वान बीक की गेंदों से वह थोड़े असहज दिखे। पर इसके बाद उन्होंने नीदरलैंड के गेंदबाजों को धुनना शुरू किया। पर दोनों के आउट होने से पहले विकेट की साझेदारी टूट गयी। लेकिन फिर कोहली और अय्यर ने 66 गेंद में 71 रन की भागीदारी निभायी।

कोहली अपने 50वें वनडे शतक की उपलब्धि को हासिल करने के लिए अच्छी लय में दिख रहे थे लेकिन वान डर मर्व ने उन्हें बोल्ड कर भारतीय प्रशंसकों की उम्मीद तोड़ दी। लेकिन बाद में कोहली ने नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स का विकेट झटका जो विकेट के पीछे राहुल के कैच लपकने से आउट हुए।

इससे दर्शक खुशी से झूम उठे। गिल और सूर्यकुमार यादव ने भी दो दो ओवर गेंदबाजी की। नीदरलैंड के लिए तेजा निदामानुरू ने 39 गेंद में 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा साइब्रांड एंजेलबेट ने 45 रन, कोलिन एकरमैन ने 35 रन और मैक्स ओडोड ने 30 रन बनाये। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने दो दो विकेट झटके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने चुनी वर्ल्ड कप 2023 की सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग-इलेवन

» रोहित शर्मा को नहीं बल्कि इस दिग्गज को बनाया कप्तान

मेलबर्न,13 नवम्बर 2023। वर्ल्ड कप2023 के लीग स्टेज के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 11 खिलाड़ियों का चुनाव किया है, टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चुने गए खिलाड़ियों में रोहित शर्मा का नाम गायब है। वर्ल्ड कप 2023 के लीग स्टेज के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान किया है, जिसमें 12 खिलाड़ियों का चुनाव किया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा चुनी गई इस टीम में रोहित शर्मा को कप्तान नहीं बनाया गया है बल्कि विराट कोहली को कप्तान बनाया गया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा चुने गए खिलाड़ियों में सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि रोहित को टीम का हिस्सा भी नहीं माना गया है. इसके अलावा टीम में भारत के 4 खिलाड़ियों को जगह दी गई है जिसमें कोहली, मोहम्मद शमी, बुमराह और रवींद्र जडेजा मौजूद हैं. वहीं, ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी इस टीम में शामिल हैं.

रोहित शर्मा को जगह नहीं, फैंन्स चौंके

इस वर्ल्ड कप में रोहित बतौर बल्लेबाज और कप्तान कमाल का परफॉर्मेंस कर रहे हैं. रोहित की कप्तानी भी इस वर्ल्ड कप में शानदार रही है. रोहित की कप्तानी में भारत सेमीफाइनल में पहुंच गया है. बता दें कि बल्लेबाजी के दौरान भी हिट मैन तेज अंदाज में बल्लेबाजी कर तहलका मचा रहे हैं. रोहित ने 503 रन 9 मैच में बना लिए हैं. उनका स्ट्राइक रेट इस वर्ल्ड कप में 121.50 का रहा है. ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें टीम में न रखकर यकीनन फैन्स को चौंका दिया है.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 3 खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम से चुने हैं तो वहीं 3 खिलाड़ी अफ्रीकी टीम से लिए हैं. न्यूजीलैंड की ओर से एक खिलाड़ी इस टीम में शामिल हैं.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा चुनी गई टीम ऑफ द वर्ल्ड कप 2023

क्विंटन डीकॉक, डेविड वार्नर. रचिन रवीन्द्र, विराट कोहली (कप्तान), एडेन मार्करम, ग्लेन मैक्सवेल, मार्को जानसेन, रवीन्द्र जड़ेजा. मोहम्मद शमी, एडम ज़ैम्पा, जसप्रीत बुमराह. 12वां खिलाड़ी, दिलशान मदुशंका।

पाकिस्तानी क्रिकेट में मचा हड़कंप

» इस बड़े दिग्गज ने छोड़ा टीम का साथ

पेशावर,13 नवम्बर 2023। वर्ल्ड कप में खराब परफॉर्मेंस करने के बाद पाकिस्तान की टीम अपने देश लौट गई है. अपने देश पहुंचते ही पाकिस्तानी क्रिकेट में हड़कंप मच गया है. अब टीम के गेंदबाजी कोच पूर्व साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मोर्ने मोर्कल ने इस्तीफा दे दिया है. मोर्ने मोर्कल ने जून 2023 में गेंदबाजी कोच के तौर पर पाकिस्तान क्रिकेट में नियुक्त किए गए थे. उन्हें 6 महीने के लिए पाकिस्तान टीम का गेंदबाजी कोच बनाया गया था. इस वर्ल्ड कप में शाहीन अफरीदी के अलावा दूसरे पाकिस्तानी गेंदबाज अपनी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं. पाकिस्तान गेंदबाजों का फ्लॉप होना वर्ल्ड कप में खराब परफॉर्मेंस का एक अहम कारण भी रहा था.

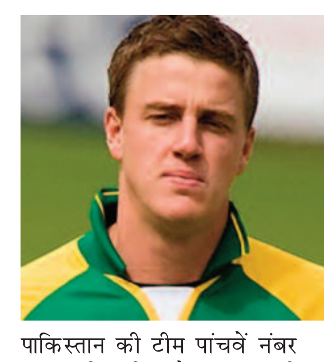

पाकिस्तान की टीम पांचवें नंबर पर रही थी. नेट रन भी पाकिस्तान की टीम का बेहद ही खराब रहा था. बता दें कि आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान को इंग्लैंड ने हरा दिया था.

अब मोर्ने मोर्कल के रिप्लेसमेंट को लेकर पाकिस्तानी बोर्ड जल्द ही ऐलान करेगी. पाकिस्तान की टीम दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने वाली है. पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज 14 दिसंबर से शुरू होगा. जो 7 जनवरी 2024 तक चलेगा. वैसे, रिपोर्ट की मानें तो उमर गुल को पाकिस्तान को नया गेंदबाजी कोच बनाया जा सकता है. पाकिस्तान की टीम अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने वाली है. उस दौरे पर जाने से पहले पाकिस्तानी बोर्ड नए गेंदबाज का ऐलान कर देगा. वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान की टीम केवल 4 मैच ही जीत सकी और 5 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा. इस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने भी हरा दिया था. वहीं, कई दिग्गजों ने माना कि इस बार अफगानिस्तान की टीम ने पाकिस्तान की टीम से बेहतर परफॉर्मेंस किया.

इटली को हराकर कनाडा ने जीता बिली जीन किंग कप

कनाडा,13 नवम्बर 2023। कनाडा ने अपनी पुरूष टीम के डेविस कप जीतने के एक साल बाद पहली बार बिली जीन किंग कप जीतकर विश्व टेनिस के मानचित्र पर अपनी मौजूदगी पुरजोर तरीके से दर्ज कराई है। कनाडा की लैला फर्नांडिज और मरीना स्टाकुसिक ने अपने अपने एकल मैच जीते। कनाडा की पुरूष टीम इस महीने के आखिर में स्पेन के मालागा में अपना डेविस कप

खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

विश्व रैंकिंग में 258वें स्थान पर काबिज स्टाकुसिक ने 43वीं रैंकिंग वाली मार्तिना ट्रेविसान को 7 . 5, 6 . 3 से हराकर कनाडा को बढत दिलाई। इसके बाद लैला ने जैसमिन ।ओलिनी को 6 . 2, 6 . 3 से हराया।

एक बार में एक मैच पर ही ध्यान लगाया:रोहित शर्मा

बैंगलुरू,13 नवम्बर 2023। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने एक बार में एक मैच पर ही ध्यान लगाया और अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत में योगदान दिया। भारत ने अंतिम लीग मैच में केएल राहुल (102 रन, 64 गेंद) और श्रेयस अय्यर (नाबाद 128 रन, 94 गेंद) के शतक की बदौलत चार विकेट पर 410 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और नीदरलैंड को 160 रन से शिकस्त देकर लगातार नौवीं जीत हासिल की।रोहित ने मैच के बाद कहा, ''हमने टूर्नामेंट की शुरूआत से ही एक बार में एक मैच पर ध्यान लगाया। टूर्नामेंट में पूरे 11 मैच हैं इसलिये एक बार में एक मैच पर ध्यान लगाना अहम था।'' उन्होंने कहा, ''हम अलग स्टेडियम में खेल रहे थे तो उसी के हिसाब से खेलना जरूरी था और हमने ऐसा ही किया।''रोहित नौ मैचों में टीम के प्रदर्शन से काफी खुश थे। उन्होंने कहा, ''हम पहले मैच से आज तक शानदार रहे। अलग अलग खिलाड़ियों ने इन मैच ममें योगदान दिया। हर कोई जिम्मेदारी लेना चाहता था।

चैंपियन नोवाक जोकोविच ने बनाया नया रिकॉर्ड

ट्यूरिन,13 नवम्बर 2023। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अपना रिकॉर्ड और मजबूत करते हुए होल्गर रूने को एटीपी फाइनल में हराकर आठवीं बार नंबर-1 रैंकिंग हासिल की।

इस टूर्नामेंट के बाद नोवाक जोकोविच 400 सप्ताह तक शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। साल के अंत में नंबर- 1 पर कब्जा जमाने के बाद नोवाक जोकोविच 20 नवंबर से शुरू होने वाली एटीपी रैंकिंग में अपने रिकॉर्ड 400वें सप्ताह का आनंद लेंगे। उन्होंने 2023 में शीर्ष स्थान पर 25 सप्ताह बिताए हैं। जोकोविच ने 2023 सीज़न के दौरान स्पेन के 20 वर्षीय कार्लोस अल्कराज के साथ एक रोमांचक संघर्ष के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान की लड़ाई में इस साल इन दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही।

जोकोविच ने वर्ष के अंत में नंबर हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी के रूप में अपना रिकॉर्ड और मजबूत किया। एटीपी रैंकिंग इतिहास में पहला स्थान। दो साल पहले वह 34 साल की उम्र में शीर्ष स्थान पर रहते हुए सीजन खत्म करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थे और अब उन्होंने 36 साल की उम्र में इस उपलब्धि को दोहराकर अपना रिकॉर्ड और मजबूत किया।

2023 में अब तक छह खिताबों के विजेता, अल्कराज के साथ एटीपी टूर में वो सबसे अधिक बार बराबरी पर रहे। जोकोविच ने सीजन के चार प्रमुख खिताबों में से तीन, ऑस्ट्रेलियन ओपन, रोलां गैरां और यूएस ओपन, जीते। अब 24 बार के प्रमुख चैंपियन, जोकोविच ने अपने करियर में चौथी बार एक साल में तीन स्लैम जीते। इससे पहले, 2011, 2015 और 2021 में उनके नाम यह रिकॉर्ड था।

36 वर्षीय खिलाड़ी ने सिनसिनाटी और पेरिस में जीत हासिल कर अपने संग्रह में दो और एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी शामिल की।

सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग 11 में इस खिलाड़ी को मिले एंट्री

मेलबर्न,13 नवम्बर 2023। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी कौशल के कारण मार्कस स्टोइनिस की जगह मार्नस लाबुशेन बेहतर विकल्प होंगे. बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को आखिरी लीग मैच में आराम के बाद ग्लेन मैक्सवेल आस्ट्रेलियाई टीम में लौटेंगे, इसकी वजह से ईडन गार्डस पर होने वाले सेमीफाइनल में लाबुशेन या स्टोइनिस में से एक को बाहर होना होगा. पोंटिंग ने फॉक्स क्रिकेट ब्रॉडकास्ट पर कहा ,'' मैं लाबुशेन को ही शामिल करता, हमने देखा है कि स्टोइनिस का इस्तेमाल करने से पहले आस्ट्रेलिया मिचेल मार्श की गेंदबाजी से काम चला लेता आया है.

उन्होंने भारत के मजबूत मध्यक्रम का उदाहरण देते हुए कहा ,'' इस टूर्नामेंट में लाबुशेन ने खराब नहीं खेला है. आस्ट्रेलिया के लिये टूर्नामेंट में सबसे महत्वपूर्ण मध्यक्रम की बल्लेबाजी है जो अभी तक सही नहीं हुई है, उन्हें इसका हल जल्दी निकालना होगा. उन्होंने कहा ,''अगर विश्व कप जीतना है तो 11वें से 40वें ओवर के बीच की समस्या का हल निकालना होगा, हमने इसी दौरान काफी विकेट गंवाये हैं, भारत ने इस दौरान सिर्फ 20 विकेट गंवाये हैं.लाबुशेन ने नीदरलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो शतक जमाये थे, उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार क्षेत्ररक्षण से भी ध्यान खींचा. पोंटिंग के सुर में सुर मिलाते हुए आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वाटसन ने कहा कि फ्लडलाइट में कठिन हालात का सामना करते हुए बल्लेबाजी में संतुलन के लिये लाबुशेन की जरूरत होगी.उन्होंने कहा ,'' उसने पूरे विश्व कप में आस्ट्रेलिया के लिये शानदार प्रदर्शन किया है, वहीं मार्कस स्टोइनिस अभी तक अपेक्षा के अनुरूप नहीं खेल पाये हैं, लक्ष्य का पीछा करते हुए दो नयी गेंद से मिलने वाली स्विंग का सामना करने के लिये आपको तकनीकी रूप से सक्षम बल्लेबाज चाहिये. लाबुशेन टेस्ट क्रिकेट खेलता है और उसमें यह क्षमता है।

इससे दमदार बॉलिंग यूनिट मैंने कभी नहीं देखी

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2023। वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय बॉलिंग अटैक अपनी प्रचंड फॉर्म में है। जसप्रीत बुमराह की यॉर्कर और बाउंसर ने बल्लेबाजों की नींद उड़ा रखी है, तो मोहम्मद शमी की आग उगलती गेंदें जमकर स्टंप उखाड़ रही हैं। मोहम्मद सिराज टीम को शुरुआती सफलताएं दिलाने में कायमाब रहे हैं। वहीं, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की घूमती गेंदों पर दुनियाभर के बैटर्स नाच रहे हैं।गेंदबाजों के धांसू प्रदर्शन के चलते ही टूर्नामेंट में रोहित की पलटन अब तक अजेय रही है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी भारतीय बॉलिंग अटैक के मुरीद हो गए हैं। नासिर का कहना है कि उन्होंने इससे बेहतर भारतीय बॉलिंग अटैक पहले कभी नहीं देखा है। वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय बॉलर्स कमाल की लय में दिखाई दिए हैं। जसप्रीत बुमराह अब तक खेले 9 मैचों में 17 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि मोहम्मद शमी ने सिर्फ 5 मैचों में 16 विकेट चटकाए हैं। रविंद्र जडेजा भी 16 विकेट चटका चुके हैं, तो कुलदीप यादव के नाम 9 मुकाबले में 14 विकेट दर्ज है।

तमिल हॉरर सीरीज़ द विलेज का टीजर आया सामने,24 नवंबर को प्राइम वीडियो होगी स्ट्रीम

प्राइम वीडियो ने आज अपनी आने वाली तमिल हॉरर, ऑरिजिनल सीरीज़ द विलेज के प्रीमियम की तारीख की घोषणा कर दी है. लोगों को इसका बेसब्री से इंतज़ार था. मिलिंद राऊ के डायरेक्शन में बनी द विलेज एक हॉरर सीरीज है, जो अश्विन श्रीवत्संगम, विवेक रंगाचारी, और शमिक दासगुप्ता के इसी नाम के ग्राफिक हॉरर उपन्यास पर आधारित है. शो का टीजर सामने आ गया है. इस शो की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार को बचाने के लिए बड़े ही कठिन मिशन पर निकलता है. स्टूडियो शक्ति प्रोडक्शंस के बैनर तले बी.एस. राधाकृष्णन द्वारा प्रोड्यूस की गई इस सीरीज को मिलिंद राऊ, धीरज वैद्य और दीप्ति

गोविंदराजन ने लिखा और क्रिएट किया है. इस सीरीज़ में लोकप्रिय तमिल अभिनेता आर्य मुख्य भूमिका में हैं, जिनके साथ दिव्या पिल्लई, आझिया, आडुकलम नरेन, जॉर्ज मायन, पी.एन. सनी, मुथुकुमार के., कलैरानी एस.एस., जॉन कोक्कन, पूजा , वी. जयप्रकाश, अर्जुन चिदम्बरम, और थलाइवासल विजय जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने भी बेहद अहम किरदार निभाए हैं.

द विलेज सीरीज़ 24 नवंबर को भारत के साथ-साथ दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर तमिल में प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसे तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में डब किया गया है. वहीं इसके सबटाइटल अंग्रेजी में भी उपलब्ध हैं.

जाह्नवी कपूर के ऑफ शोल्डर लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर खूबसूरती में आपनी मां से कम नहीं हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने बोल्ड लुक्स के लिए फेमस हैं। उनका हर एक लुक फैंस के दिलों पर खंजर चला देता है। हाल ही में जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। बी-टाउन की मशहूर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश और बोल्ड लुक देखकर फैंस का दिल मचल गया है। जाह्नवी कपूर का लुक लोगों के बीच काफी ट्रेंड कर रहा है। जाह्नवी कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में गोल्डन कलर का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। फोटोज में अभिनेत्री कैमरे के सामने सेक्सी अदाओं से किलर पोज देते हुए फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच रही हैं।

बॉबी देओल अपनी पहली तमिल फिल्म कंगुवा से उड़ाएंगे होश,दिखेगा खौफनाक अवतार

बॉबी देओल ने अपने करियर की शुरुआत में कई हिट फिल्में दीं। हालांकि, फिर उनकी फिल्में फ्लॉप होने लगीं और बॉबी कुछ समय के लिए पर्दे से बिल्कुल गायब हो गए। अपनी दूसरी पारी में उन्होंने वेब सीरीज आश्रम से धमाकेदार वापसी की और बाबा निराला जैसे एक बुरे आदमी का किरदार निभाकर वह छा गए।अब बॉबी तमिल फिल्मों में कदम रखने वाले हैं। उन्हें साउथ के सुपरस्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा में खलनायक की भूमिका में देखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बॉबी, सूर्या की फिल्म में एक खतरनाक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में उनका किरदार कहानी को एक नया मोड़ देगा।सूत्र ने बताया कि बॉबी का यह अवतार और अंदाज पहले कभी नहीं देखा होगा। वह कभी न देखे गए अवतार

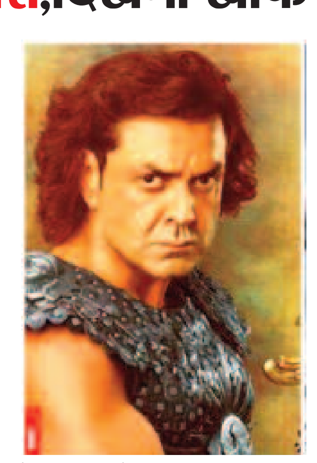

में नजर आएंगे।यह बॉबी की पहली तमिल फिल्म है और इसके जरिए वह दक्षिण भारतीय सिनेमा में पदार्पण कर रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि बॉबी ने अभी अपने हिस्से की शूटिंग पूरी नहीं की है। नवंबर यानी इसी महीने वह चेन्नई में अपना शूट शुरू करने वाले हैं।इस बीच वह मुंबई भी आते-जाते रहेंगे, क्योंकि बॉबी अपनी दूसरी फिल्म एनिमल के प्रचार-प्रसार में भी कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते।खास बात यह है कि एनिमल में भी रणबीर खलनायक ही बने हैं और इसमें भी उनका अवतार देखने लायक होगा। सूत्र ने यह भी बताया कि बॉबी अपनी पहली तमिल फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित और रोमांचित हैं। उनसे जैसे ही इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया, उन्होंने इसके लिए तुरंत रजामंदी दे दी।बॉबी फिल्म को लेकर इसलिए भी उत्सहित हैं, क्योंकि इसके हीरो सूर्या हैं, जिनके काम के वह बहुत बड़े प्रशंसक हैं।बॉबी उनके साथ काम करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ED-IT की कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जुबानी हमला बोला

सबसे पहले रमन सिंह पर कार्रवाई हो

रायपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ईडी-आईटी की कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सलेक्टिव कार्रवाई न करें। पहले रमन सिंह, हेमंता बिश्व सरमा, अजीत पवार के खिलाफ कार्रवाई करें।

आज मुंगेली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी सभा में कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा है कि पहले चरण का चुनाव समापन के बाद यह तय हो गया है कि कांग्रेस की सरकार जा रही है। अब भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होगी।

सोंटा प्रहार जारी है, सीएम बघेल ने वीडियो शेयर कर कही ये बात

आज गोवर्धन पूजा के दिन सीएम भूपेश बघेल ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा है कि सोंटा प्रहार जारी हैज सभी विघ्नों के नाश तथा मंगल कामनाओं के साथ।

हर साल की तरह इस साल भी सीएम भूपेश बघेल गौरा-गौरी पूजन समारोह में शामिल हुए। साथ ही प्रदेश की मंलग कामना और खुशहाली के लिए कुश के सोंटे खाकर परंपरा निभाई। आज ग्राम जंजगिरी पहुंचे हुए थे। जहां सीएम गौरा गौरी पूजन में शामिल हुए इसके बाद ग्रामीण बीरेंद्र ठाकुर ने उन पर सोटे का प्रहार किया।

सूबेदार भर्ती परिणाम जारी करने सरकार ने आयोग से मांगी अनुमति, क्या 17 नवंबर से पहले

जारी होगा मुख्य परीक्षा का परिणाम?

सीएम भूपेश बघेल 17 नवंबर को मतदान से पहले सूबेदार, एस आई भर्ती और प्लाटून कमांडर भर्ती की मुख्य परीक्षा के परिणाम जारी करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट कर चुनाव आयोग से अनुमति मांगी है । ट्विटर पर जानकारी देते सीएम ने बताया कि सूबेदार/उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर/भर्ती की मुख्य परीक्षा के परिणाम जारी करने के लिए उच्च न्यायालय, बिलासपुर के आदेशानुसार हमने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से भारत निर्वाचन आयोग से अनुमति प्राप्त करने का आग्रह किया है।

975 पदों के लिए हो रही इस भर्ती प्रक्रिया के नतीजे आयोग की अनुमति मिलते ही घोषित कर दिए जाएंगे। इससे पहले सीएम बघेल का डीए भुगतान की अनुमति का आग्रह किया था, मगर इससे संबंधित पत्र आयोग में सप्ताह भर से लंबित है ।

कांग्रेस सरकार बनते ही प्रदेश की महिलाओं को प्रति वर्ष मिलेगा 15,000 दीपावली के दिन प्रदेश की महिलाओं को मिला बड़ा तोहफ़ा

दीपावली के दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की महिलाओं के लिए की बड़ी घोषणा। मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर लिखा आज दीपावली के शुभ अवसर पर मां लक्ष्मी जी की कृपा और छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से प्रदेश की महिला शक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

कांग्रेस सरकार बनते ही प्रदेश की महिलाओं को ÷छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना÷ के तहत 15000 रुपए प्रतिवर्ष सीधे उनके खाते में दिए जाएँगे।

देव दीपावली पर कहीं नजर नहीं आएगी कांग्रेस:प्रधानमंत्री मोदी

लोरमी ,13 नवम्बर 2023(ए)। दीपावली के आज दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंगेली दौरे पर हैं। उन्होंने भूपेश बघेल को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब मुख्यमंत्री के पद के लिए ढ़ाई-ढ़ाई साल का एग्रीमेंट हुआ था।

लेकिन पहले ढ़ाई साल में ही मुख्यमंत्री जी ने इतना लूटा, इतना भ्रष्टाचार किया कि लूट के पैसों का अंबार जमा कर लिया। जब ढ़ाई साल पूरा होने को आए, तो तिजोरी दिल्ली वालों के लिए खोल दी। दिल्ली के हर नेता को खरीद लिया और एग्रीमेंट धरा का धरा रह गया।जिस कांग्रेस को गणित सिखाने का इतना शौक है, उनसे मेरे कुछ सवाल हैंज कांग्रेस के इन गणितबाजों को बताना होगा कि मुख्यमंत्री को महादेव सट्टेबाजी घोटाले में से कितना पैसा मिला? कांग्रेस के बाकी नेताओं के हिस्से में कितना माल आया? दिल्ली दरबार तक इसमें से कितना पैसा पहुंचा?उन्होंने कहा कि कल आपने दीपावली मनाई है। लेकिन आने वाली देव दीपावली छत्तीसगढ़ के लिए एक नया आनंद और उत्साह लेकर आएगी। जिस कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को लूटा है, वो देव दीपावली पर कहीं नजर नहीं आएगी। छत्तीसगढ़ के आदिवासी, गरीब, पिछड़े सभी कांग्रेस की विदाई के लिए आतुर हैं।

राजधानी रायपुर की चारों विधानसभा सीटों में

अमित शाह का रोड शो 15 नवंबर को

रायपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के चुनाव प्रचार पूरे जोरों पर है गृहमंत्री अमित शाह 15 नवंबर को राजधानी रायपुर की चारों विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करेंगे।

दूसरे चरण के मतदान से पहले कुमारी सैलजा का बड़ा बयान

रमन सिंह की सीट खतरे में

» हम 75 के आंकड़े की ओर अग्रसर

रायपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने आज दूसरे चरण के मतदान से पहले बड़ी बात कही है। उन्होंने दावा किया है कि कहा कि हम 75 के आंकड़े की ओर अग्रसर हैं। पहले चरण के चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में माहौल दिखा रहा है इस बार रमन सिंह की सीट भी खतरे में है।

कुमारी सैलजा ने मीडिया से कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद बीजेपी को समझ आ चुका है। भाजपा के बड़े नेता रमन सिंह भी अपनी सीट से हार रहे हैं। हम सरकार बनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। हमने अपने काम के बलबूते चुनावी मैदान में उतरकर वोट मांग रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमने पिछले पांच सालों में गरीबी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी है। हमने 40 लाख लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है। केंद्र सरकार ने 65 बार से अधिक पुरस्कार दिए हैं.

सैलजा ने कहा कि हमारे प्रदेश की महिलाओं को कल गृह लक्ष्मी योजना का तोहफा दिया है। हम प्रदेश की सभी महिलाओं को सालाना 15 हज़ार रुपए देंगे। महिलाओं को विश्वास केवल कांग्रेस के साथ है।

गजनी फिल्म वाली बीमारी भूपेश बघेल को है:अमित जोगी

बालोद ,13 नवम्बर 2023(ए)। जिले के गुंडरदेही विधानसभा के देवरी गांव में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी के प्रत्याशी राजेन्द्र राय के लिए वोट मांगने पार्टी के अध्यक्ष अमित जोगी पहुंचे. अमित जोगी ने मुख्यमंत्री भूपेश पर तंज कसते हुए कहा कि, घोषणा पत्र में तो कुछ किए नहीं. अब देख रहे हैं कि, खेल हाथ से निकल रहा है तो रोज नई-नई घोषणा कर रहे हैं.अमित जोगी ने आगे कहा, पिछली बार 36 बिन्दुवों का घोषणा पत्र जारी किया था. महिलाओं को 500 रुपये देंगे, शराब बंदी करेंगे. दोनों चीजे नहीं की. 5 रुपये भी साल में नहीं दिए. अब बोलते हैं 15 हजार देंगे. आगे अमित जोगी ने कहा, भूपेश बघेल जी चुनावी-चूरण वाले बाबा बन गए हैं. केवल चूरण बाट रहे हैं. अब घोषणा पत्र आपका आ गया है, आप देख रहे हैं कि वो काम नहीं कर रहा है तो रोज घोषणा कर रहे हैं. ये उनकी बौखलाहट है. छत्तीसगढ़ की जनता जान चुकी है कि भूपेश बघेल को वही बीमारी है, जो गजनी पिक्चर के हीरो अमीर खान को थी. वो हर 15 मिनट में भूल जाते हैं. अभी इन्होंने घोषणा की है, 5 साल हो गए हैं. हम लोगों ने देखा है कि, क्या हुआ घोषणाओं का हश्र.

जेसीसीजे प्रत्याशी के खिलाफ बंटवाया पॉम्पलेट

पार्टी के नेता पहुंचे चुनाव आयोग

रायपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। लोरमी विधानसभा क्षेत्र में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है. जेसीसीजे के नेताओं ने भाजपा पर लोरमी से जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रत्याशी सागर सिंह ठाकुर (बैस) के विरुद्ध झूठे आरोप लगाकर पॉम्पलेट वितरित कर क्षेत्र में निष्पक्ष मतदान की प्रक्रिया प्रभावित करने का आरोप लगाया है. इसकी शिकायत जोगी कांग्रेस के प्रवक्ता भागवानू नायक और जिला अध्यक्ष संदीप यादव ने जिला निर्वाचन आयोग से की है और कड़ी कार्यवाही की मांग की है.

जोगी कांग्रेस के प्रवक्ता भागवानू नायक ने बताया कि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) छत्तीसगढ़ का एकमात्र मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दल है. इस दल से सागर सिंह ठाकुर उर्फ सागर बैस विधानसभा क्रमांक 26- लोरमी क्षेत्र से आसन्न विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी है. भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रत्याशी सागर सिंह ठाकुर बेस के खिलाफ पैम्फलेट बंटवा रहा, जिसमें लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं.

कांग्रेस नेत्री समेत तीन पार्टी से निष्कासित

रायपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। कांग्रेस नेत्री समेत तीन नेता पार्टी से निष्कासित किए गए है। जिसमें सत्येंद्र साहू ,पीमन साहू और ललिता साहू शामिल है। जारी आदेश में लिखा है, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में 59-संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय दीपक बैज के आदेशानुसार बालोद जिले के 1. सत्येन्द्र साहू 2. पीमन साहू एवं 3. ललिता साहू को आज दिवस 13 नवम्बर 2023 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (इंडियन नेशनल कांग्रेस) की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है।

बस्तर के माओवादी गाजा युद्ध के विरोध में

रायपुर,13 नवम्बर 2023 (ए)। इजरायल और फिलिस्तीन में जारी संघर्ष में भारत के माओवादी भी कूद पड़े हैं। फिलिस्तीनी मुक्ति आंदोलन के समर्थन में भाकपा(मा) ने अपने 23 वें पीएलजीए की स्थापना दिवस के मौके पर 2-8 दिसंबर तक युध्द के विरोध में जन प्रचार अभियान चलाने की घोषणा की है। पार्टी के प्रवक्ता अभय ने इस संबंध में प्रेस नोट जारी किया है

कांग्रेस प्रत्याशी पर कानूनी कार्रवाई की मांग

» महिला के साथ किया था अभद्र व्यवहार

जशपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। जिले के कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी यूडी मिंज पर एक ग्रामीण महिला के साथ अभद्र व्यवहार करने का मामला समाने आया है. इस मामले को लेकर आज भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं ने कुनकुरी पुलिस थाने का घेराव कर घंटों तक विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान भाजपा के दिग्गज आदिवासी नेता विष्णुदेव साय के अलावा काफी बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं. भाजपा का आरोप है कि इस गंभीर मामले में पुलिस ने अभी तक कार्रवाई नहीं की है.कुनकुरी भाजपा मंडल के हजारों कार्यकर्ता कुनकुरी थाने का घेराव कर कांग्रेस के प्रत्याशी विधायक युडी मिंज के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रहे. इसके बाद भपाईयों ने संसदीय सचिव के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए है. भाजपा कार्यकर्ताओं की मांग है कि हमारी महिला कार्यकर्ता मंजू भगत के साथ यूडी मिंज और उसके कार्यकर्ताओं ने गुंडागर्दी करते हुए घर में घुसकर महिला के साथ धक्का मुक्की कर मोबाइल को छीन लिया और अभद्रता की गई है. इस घटना को लेकर पीड़ित मंजू भगत के सहित बीजेपी के विधानसभा उम्मीदवार विष्णुदेव साय अपने समर्थकों के साथ थाने के सामने एफआईआर की मांग पर अड़े है.

आप नेता कोमल हुपेंडी ने बीजेपी को बताया जुमलों की फैक्ट्री

रायपुर,13 नवम्बर 2023(ए)। प्रदेश में बीजेपी-कांग्रेस ने महिला वोटर को साधने के लिए महिलाओं को आर्थिक मदद देने का वादा कर रही है। बीजेपी महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को सालाना 12 हजार देने का वादा कर रही है, वहीं कांग्रेस अब गृह लक्ष्मी योजना के तहत सालाना 15 हजार देने की बात कर रही है। बीजेपी कांग्रेस के इस वादे पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा बीजेपी जुमलों की फैक्ट्री है। उन्हें पता है इस बार छत्तीसगढ़ में उनकी दाल नहीं गलने वाली है, इसलिए वो जुमलों का सहारा ले रही है। बीजेपी भूल चुकी है की प्रदेश में 15 साल में वो सत्ता में रह चुकी है, तब इन्हें महिलाओं की याद क्यों नहीं? तब क्या महिलाओं को आर्थिक मदद की जरूरत नहीं थी ?

कोमल हुपेंडी ने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा, उन्होंने कहा, देशभर में यूं नहीं भूपेश बघेल को लोग छोटा मोदी बोलते हैं। उन्होंने नीतियां अरविंद केजरीवाल की कॉपी किया और प्रचार का तरीका नरेंद्र मोदी का। भूपेश बघेल को शायद याद नहीं है की उनकी पार्टी ने प्रदेश की महिलाओं से शराबबंदी का झूठा वादा किया था, जिसे आज तक पूरा नहीं किया। अब ऐसे में वो उम्मीद करती है की छत्तीसगढ़ की महिलाएं एक बार उनके झांसे में आ जाएंगी ? ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। कोमल हुपेंडी ने कहा, कुल मिलाकर देखें तो प्रदेश में दोनों ही पार्टी केजरीवाल की गारंटी का कॉपी कर रही है। आप दोनों का घोषणपत्र उठा कर देख लीजिए, इनके अधिकांश वादे केजरीवाल की गारंटी से कॉपी की हुई है। हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी ने अगस्त 2023 में ही राजधानी रायपुर में अपने गारंटी सभा में महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपए देने का गारंटी दिया था। उसके 2 महीने बाद ये लोग इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। ये लोग जितनी भी आम आदमी पार्टी के नीतियों की कॉपी कर लें लेकिन हकीकत ये है की अब जनता असली ओर नकली के बीच का अंतर समझ चुकी है। उन्हें पता है केजरीवाल की गारंटी असली है। हमने दिल्ली और पंजाब में अपनी गारंटी पूरा कर के दिखा चुके हैं इसलिये छत्तीसगढ़ की जनता को भी केजरीवाल की गारंटी पर भरोसा है।

31 जनवरी तक पटाखे जलाए जाने पर प्रतिबंधित

दुर्ग,13 नवम्बर 2023(ए)। नेशनल ग्रीन ट्रीब्युनल प्रिंसपल बैच नई दिल्ली द्वारा पटाखों के उपयोग के संबंध में पारित आदेश के परिपालन में राज्य शासन द्वारा रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में प्रतिवर्ष 1 दिसंबर से 31 जनवरी की अवधि में पटाखों का जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में छत्तीगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार राज्य में केवल हरित पटाखों का विक्रय सुनिश्चित किया गया है। दीपावली, छठ, गुरूपर्व तथा नया वर्ष/क्रिसमस के अवसर पर पटाखे फोड़ने की अवधि 2 घंटे निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार दीपावली रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक, छठ पूजा प्रातः 6 बजे से प्रातः 8 बजे तक, गुरूपर्व रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक तथा नया वर्ष/क्रिसमस रात्रि 11:55 बजे से रात्रि 12:30 बजे तक की समयावधि निधारित है। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार पटाखों के जलाने से शीत ऋतु में वायु प्रदुषण में वृद्धि होती है। शासन द्वारा वायु प्रदुषण के रोकथाम हेतु प्रदुषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम के वैधानिक प्रवाधानों के तहत् प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, रायगढ़ एवं कोरबा के नगरीय क्षेत्रों में 1 दिसंबर से 31 जनवरी की अवधि में पटाखों का जलाया जाना प्रतिबंधित किया गया है।

बीजेपी की 2 महिला कार्यकर्ता हिरासत में

गरियाबंद,13 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों का चुनाव प्रचार चरम पर है. सभी प्रत्याशी मतदाताओं को रिझाने में जुटे हुए हैं. साथ ही सभी पार्टियों ने चुनाव को लेकर अपना-अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है.वहीं, भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में महतारी वंदन योजना शुरू करने की घोषणा की है. भाजपा सत्ता में आई तो इस योजना के तहत प्रदेश की प्रत्येक विवाहित महिलाओं को सालाना 12 हजार रुपए दिया जाएगा. अभी चुनाव की प्रक्रिया चल रही है. इस बीच भाजपा ने महिलाओं को योजना का फार्म बांटना और भरवाना शुरू कर दिया है. इसका कांग्रेसियों ने विरोध किया है और निर्वाचन आयोग से शिकायत भी की है.

इसी कड़ी में आज निर्वाचन आयोग की टीम ने कांग्रेस की शिकायत पर गरियाबंद के वार्ड 6 में योजना का फार्म भरवाने वाले दो महिलाओं को हिरासत में ले लिया है

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)